राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 14 अंकः 93 पृष्ठः 08 RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com उत्तराखण्ड संस्करण दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

नई दिल्ली में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने मुलाकात की।

चीन ने फिर की हिमाकत

चीन ने अरुणाचल की 11 जगहों के नाम बदले, 5 साल में तीसरी बार ऐसी हरकत, नाम बदलने से हकीकत नहीं बदलती: भारत

टीम एक्शन इंडिया/अरुणाचल प्रदेश

चीन ने अपने नक्शे में अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के नाम बदल दिए हैं। चीन ने पिछले 5 साल में तीसरी बार ऐसा किया है। इसके पहले 2021 में चीन ने 15 जगहों और 2017 में 6 जगहों के नाम बदले थे। भारतीय विदेश मंत्रालय ने चीन की इस हरकत पर पलटवार किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा है- हमारे सामने चीन की इस तरह की हरकतों की रिपोर्ट्स पहले भी आई हैं। हम इन नए नामों को सिरे से खारिज करते हैं। अरुणाचल प्रदेश भारत का आतंरिक हिस्सा था, हिस्सा है और रहेगा। इस तरह से नाम बदलने से हकीकत नहीं बदलेगी।

अरुणाचल की राजधानी ईटानगर के नजदीकी इलाके का नाम भी बदला: दरअसल, चीन ने कभी अरुणाचल प्रदेश को भारत के राज्य के तौर पर मान्यता नहीं दी। वो अरुणाचल को दक्षिणी तिब्बतका हिस्सा बताता है। उसका आरोप है कि भारत ने उसके तिब्बती इलाके पर कब्जा करके उसे अरुणाचल प्रदेश बना दिया है। चीन के सरकारी अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' के मुताबिक सोमवार को चीन की सिविल अफेयर मिनिस्ट्री ने 11 नाम बदले जाने को मंजूरी दे दी। यह सभी इलाके जेंगनेन (चीन के दक्षिण राज्य शिजियांग का हिस्सा) में आते हैं। इनमें से 4 रिहायशी इलाके हैं। इनमें से एक इलाका अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर के बेहद करीब है। 5 पहाड़ी क्षेत्र और दो नदियां हैं। चीन ने इन इलाकों के नाम मन्दारिन और तिब्बती भाषा में रखे हैं। चीन अरुणाचल के इलाकों के नाम क्यों बदलता है इसका अंदाजा वहां के एक रिसर्चर के बयान से लगाया जा सकता है। 2015 में चाइनीज एकेडमी ऑफ सोशल साइंस के रिसर्चर झांग योंगपान ने ग्लोबल टाइम्स को कहा था, 'जिन जगहों के नाम बदले गए हैं वो कई सौ सालों से हैं।

चीन की हरकत

= अरुणाचल प्रदेश भारत का आतंरिक हिस्सा था, हिस्सा है और रहेगा: विदेश मंत्रालय

क्या इससे सच में नाम बदल जाएंगे?

इसका जवाब है- नहीं। दरअसल, इसके लिए तय रूल्स और प्रॉसेस है। अगर किसी देश को, किसी जगह का नाम बदलना है तो उसे यूएन ग्लोबल जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट को पहले से जानकारी देनी होती है। इसके बाद, यूएन के जियोग्राफिक एक्सपर्ट उस इलाके का दौरा करते हैं। इस दौरान प्रस्तावित नाम की जांच की जाती है। स्थानीय लोगों से बातचीत की जाती है। तथ्य सही होने पर नाम बदलने को मंजूरी दी जाती है और इसे रिकॉर्ड में शामिल किया जाता है।

अरुणाचल और अक्साई चिन पर भी विवाद

दोनों देशों में 3488 किलोमीटर लंबी एलएसी (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) को लेकर विवाद है। हालांकि चीन अरुणाचल प्रदेश वाले हिस्से को भी विवादित मानता है। अरुणाचल प्रदेश की 1126 किलोमीटर लंबी सीमा चीन के साथ और 520 किलोमीटर लंबी सीमा के साथ मिलती है। चीन का दावा है कि अरुणाचल पारंपरिक तौर पर दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा है, वहीं भारत अक्साई चिन इलाके को अपना बताता है।

आतंकी ग्रुप ने कश्मीर के संघ लीडर्स को धमकी दी

रेजिस्टेंस फ्रंट ने 30 नेताओं की टारगेट लिस्ट जारी की, कहा- खून बहाएंगे

निशाना बनाएंगे

= आतंकी ग्रुप की यह धमकी संघ प्रमुख मोहन भागवत के 1 अप्रैल को दिए गए बयान के बाद आई है।

टीम एक्शन इंडिया/श्रीनगर

आतंकी ग्रुप 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के संघ नेताओं को धमकी दी है। रेजिस्टेंस फ्रंट ने 30 लीडर्स के नामों की लिस्ट जारी की है। फ्रंट ने कहा है कि हम इन नेताओं का खून बहाएंगे। आतंकी ग्रुप की यह धमकी संघ प्रमुख मोहन भागवत के 1 अप्रैल को दिए गए बयान के बाद आई है। भागवत ने कहा था- आजादी के 7 दशकों बाद भी पाकिस्तान खुश नहीं है। उसे अब यह भरोसा हो गया है कि बंटवारा एक भूल थी। अखंड भारत एक सच था और बंटा हुआ भारत एक बुरा सपना।

लश्कर की एक शाखा है रेजिस्टेंस फ्रंट

जम्मू-कश्मीर में एक्टिव रेजिस्टेंस फ्रंट लश्कर-ए-तैयबा की ही एक शाखा है। यह फ्रंट जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के खिलाफ ऑनलाइन कैंपेन भी चलाता है। कुछ रिपोर्ट्स में पुलिस के हवाले से बताया गया कि कराची से इस ऑनलाइन कैंपेन के 6 महीने बाद ही इस फ्रंट ने जमीन पर अपना संगठन तैयार किया। यह तहरीक-ए-मिल्लत इस्लामिया और गजनवी हिंद जैसे दूसरे संगठनों जैसा है।

भागवत ने कहा था- जो भारत से अलग हुए, क्या वो खुश हैं?: भागवत ने कहा था कि अखंड भारत यानी अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और तिब्बत यह एक साथ थे। बंटा हुआ भारत बुरा सपना है। ये 1947 के पहले का भारत था।

हुगली में फिर हिंसा, पथराव

टीम एक्शन इंडिया/कोलकाता

पश्चिम बंगाल में रामनवमी से शुरू हुई हिंसा अब भी जारी है। हुगली के रिसड़ा इलाके में सोमवार देर रात रेलवे स्टेशन के बाहर पथराव हुआ। पूर्वी रेलवे के कौशिक मित्रा ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रात 10 बजे से 1 बजे तक हावड़ा-बैंडल रूट पर सभी लोकल, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन रोक दिया गया। घटना के बाद रिसड़ा स्टेशन के बाहर भारी पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। वहीं, हुगली में हिंसा के बाद राज्य के गवर्नर सीवी आनंद बोस ने दार्जिलिंग का अपना प्रोग्राम रद्द कर दिया है और कोलकाता के लिए रवाना हो गए। वे यहां से सीधे रिसड़ा पहुंचे और घटनास्थल का दौरा किया। बोस ने कहा- उपद्रवियों को कानून हाथ में लेने नहीं दिया जाएगा। सभी एजेंसियों और पुलिस फोर्स अपना काम कर रही हैं। बंगाल लंबे समय से ऐसी घटनाओं से पीड़ित है, हम इसका अंत करेंगे।

संविधान खतरे में, भाजपा खत्म करने की कर रही तैयारी: शशि

टीम एक्शन इंडिया/इंदौर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि आज सरकार सिर्फ अपने मन की बात सुना रही है। वह जनता के मन की बात सुनना ही नहीं चाहती। देश में पहली बार ऐसा हो रहा है, जब सरकार खुद संसद नहीं चलने देना चाहती। लगातार संसद ठप की जा रही है, ताकि विपक्ष के नेता कुछ भी बोल न सकें। संविधान खतरे में है और भाजपा अब इसे भी खत्म करने की तैयारी कर रही है। शशि थरूर मंगलवार को इंदौर में रवीन्द्र नाट्यगृह में अधिवक्ताओं द्वारा संविधान का संरक्षण और संविधान का उत्थान विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने केन्द्र सरकार पर जाति के नाम पर देश को बांटने का आरोप लगाया।

देश में कोरोना के 3,038 नए मरीज

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

देश में कोरोना के मामले एक बार फिर बढ़ने लगे हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 3,038 नए मरीज सामने आए हैं। इस दौरान सात संक्रमित लोगों की मौत हो गई। इस अवधि में 2,069 मरीज स्वस्थ हुए हैं। अब तक कोरोना वायरस से 4,41,77,204 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। रिकवरी रेट 98.76 प्रतिशत है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 21,179 हो गई है। दैनिक संक्रमण दर 1.84 प्रतिशत है। टीकाकरण की बात करें तो पिछले 24 घंटे में 1,894 खुराक दी गई हैं। देश में अबतक कोरोना से बचाव के टीके की 220.66 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। पिछले 24 घंटे में 1,64,740 लोगों की जांच की गई है।

शीघ्र गठित होगा उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

उत्तर प्रदेश में अब बेसिक शिक्षा, माध्यमिक, उच्च और प्राविधिक कॉलेजों के साथ ही अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों में भी एक ही आयोग के माध्यम से शिक्षकों की भर्ती होगी। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में शीघ्र उप्र शिक्षा चयन आयोग का गठन करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश में विभिन्न शैक्षिक संस्थानों में जारी शिक्षक भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए एकीकृत आयोग के रूप में 'उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग' के गठन के संबंध में दिशा-निर्देश दिए हैं। संचालित बेसिक, माध्यमिक, उच्च और प्राविधिक शिक्षण संस्थानों में योग्य शिक्षकों के चयन के लिए अलग-अलग प्राधिकारी, बोर्ड व आयोग गठित हैं। परीक्षा नियामक प्राधिकारी, माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग और उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग के अलावा उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से भी शिक्षकों के चयन किया जा रहा है।

निर्देश दिए

= उच्च और प्राविधिक कॉलेजों के साथ ही अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों में भी एक ही आयोग के माध्यम से शिक्षकों की भर्ती होगी

'अडानी की शेल कंपनियों में लगे 20 हजार करोड़ किसके'

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने पूछा है कि अडानी की शेल कंपनियों में लगे 20 हजार करोड़ रुपये किसके हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के मद्देजनर कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में चल रही है। बैठक में शामिल होने पहुंचे राहुल गांधी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अडानी की शेल कम्पनियों में 20 हजार करोड़ बेनामी हैं। आखिर यह पैसा किसका है।

पूछा सवाल

= राहुल ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि मीडिया उनसे हमेशा भाजपा के पूछे गए सवालों को पूछता है

2023-24 में भारत की 6.3 फीसदी रहेगी जीडीपी: विश्व बैंक

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 में देश की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है। विश्व बैंक ने पहले भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.6 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। विश्व बैंक ने मंगलवार को जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में खपत में कमी आने की वजह से भारत की जीडीपी वृद्धि धीमी पड़कर 6.3 फीसदी पर आ सकती है, जो पहले के 6.6 फीसदी के अनुमान से कम है।

पीओके असेंबली में शारदा पीठ कॉरिडोर के लिए प्रस्ताव पारित

श्रीनगर: पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की असेंबली के रवैये में बड़ा बदलाव आया है। अब तक भारत विरोधी और आतंकवादियों के समर्थन में प्रस्ताव पारित करने वाली पीओके असेंबली ने शारदा माता पीठ में तीर्थ के लिए भारत से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव पारित किया है। ये घटनाक्रम केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने करतारपुर कॉरिडोर की तर्ज पर शारदा माता पीठ के लिए भी कॉरिडोर बनाने की बात कही थी। इस बीच, सेव शारदा कमेटी ने पीओके असेंबली के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए कहा है कि 75 साल बाद शारदा माता पीठ में जाकर तीर्थ की आस जगी है।

राजस्थान में राइट टू हेल्थ लागू

टीम एक्शन इंडिया/जयपुर

सरकार और चिकित्सकों बीच राइट टू हेल्थ (आरटीएच) को लेकर लंबे समय चल रहा गतिरोध मंगलवार को समाप्त हो गया। चिकित्सकों और सरकार के बीच आठ मांगों पर समझौता होने के साथ ही राजस्थान राइट टू हेल्थ लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि चिकित्सकों का जनहितैषी कानून पर सहमत होना सुखद संकेत है। गहलोत ने कहा है कि सभी प्रदेशवासियों ने इस बिल के पक्ष में राज्य सरकार का सहयोग किया और आगे बढ़कर इस जनहितैषी बिल का स्वागत किया है। अब चिकित्सकों की भी इस महत्वपूर्ण बिल पर सहमति बनना सुखद संकेत है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि सभी चिकित्सक तुरंत प्रभाव से काम पर वापस लौटेंगे और स्वास्थ्य का अधिकार, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना एवं आरजीएचएस जैसी योजनाओं को सरकारी एवं निजी अस्पताल मिलकर सफल बनाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निजी एवं सरकारी अस्पतालों ने जिस तरह कोरोनाकाल में बेहतरीन प्रबंधन कर मिसाल कायम की, उसी तरह इन योजनाओं को धरातल पर सफलतापूर्वक लागू कर राजस्थान मॉडल ऑफ पब्लिक हेल्थ पेश करेंगे।

कैबिनेट फैसले शिवराज कैबिनेट: बुधनी में मेडिकल कॉलेज और प्रदेश में खुलेंगे 730 पीएमश्री स्कूल

चमक विहीन गेहूं खरीदेगी शिवराज सरकार

टीम एक्शन इंडिया/भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक हुई, जिसमें प्रदेश के हित में कई अहम निर्णय लिये गए। सरकार ने तय किया है कि ओले-बारिश से चमक छोड़ चुके और पतले हुए गेहूं की भी समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी। बैठक में सीहोर के बुधनी में मेडिकल कॉलेज और प्रदेश में 730 पीएमश्री स्कूल खोले जाने को भी स्वीकृति दी गई। कुएं और बावड़ियां क्षतिग्रस्त पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ एफआईआर कराने का फैसला भी हुआ है।

गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बैठक में लिये गए निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि ओला पीड़ित किसानों को 32 हजार रुपये हेक्टेयर के हिसाब से मुआवजा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री चौहान ने ओला प्रभावित जिलों के प्रभारी मंत्रियों से गांव-गांव जाकर किसानों से चर्चा करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि जिन जिलों में ओले गिरे हैं, वहां प्रभारी मंत्री खुद एक बार चेक कर लें। उनकी रिपोर्ट के बाद ही हम कार्यक्रम कर सिंगल क्लिक में सारे जिलों में एक साथ मुआवजा राशि डालेंगे। किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ भी मिल जाए, यह भी सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने बैठक में मंत्रियों को जानकारी दी कि 10 प्रतिशत तक चमक विहीन गेहूं समर्थन मूल्य पर उपार्जन करने की केंद्र से मंजूरी मिली है। 10 प्रतिशत से अधिक चमक विहीन गेहूं खरीदने पर प्रति क्विंटल पांच रुपये 31 पैसे का नुकसान सरकार को उठाना होगा।

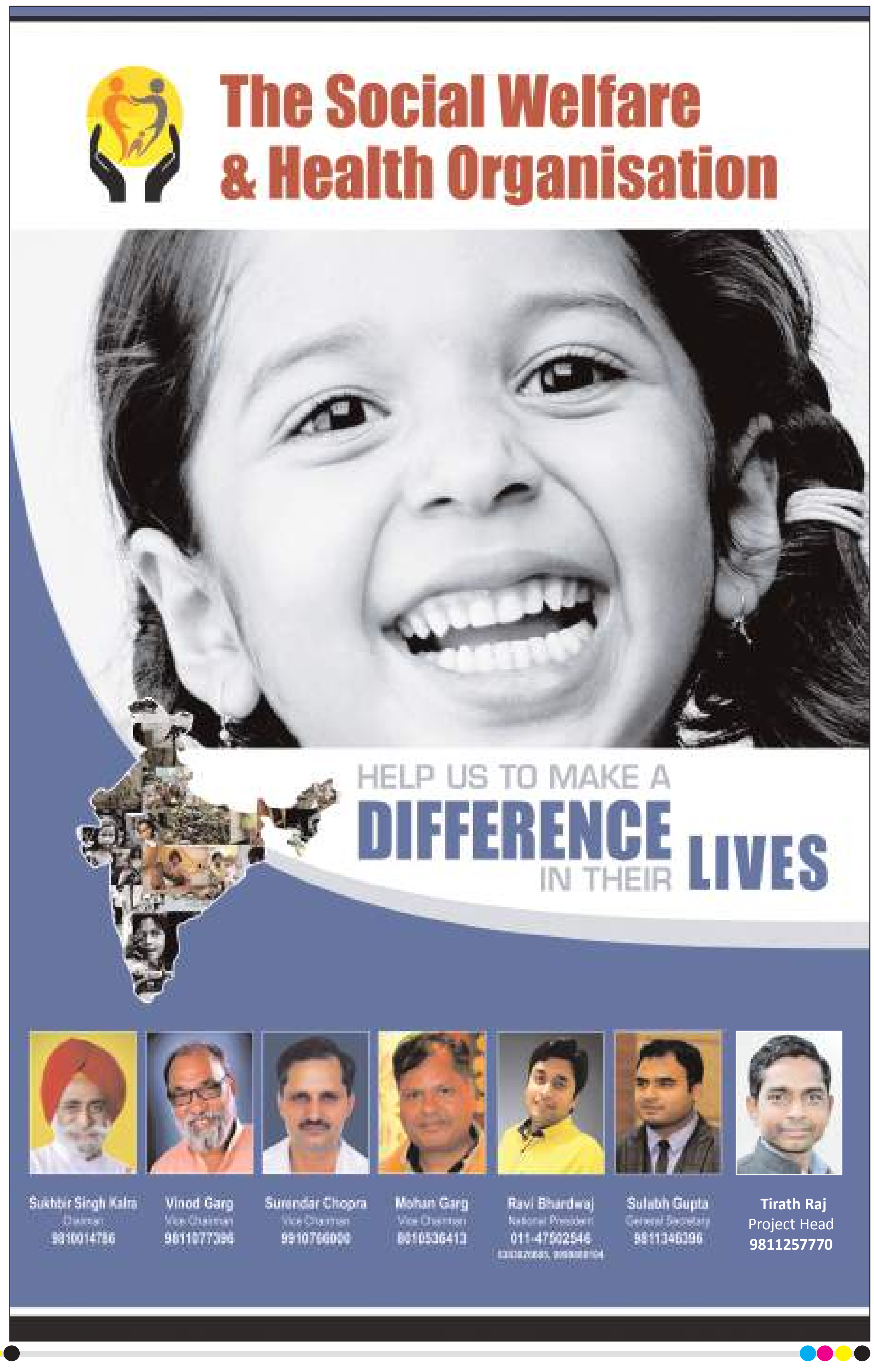

आज भारत विश्व शक्ति बन चुका है: रामनाथ

भारत की बढ़ी हुई शक्ति का ही प्रमाण है कि हम रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच वहां से अपने 23 हजार ये अधिक विद्यार्थियों को सकुशल वापिस लेकर आए

8 भारत की बढ़ी ताकत अहिंसा और सर्वकल्याण की भावना है। भगवान महावीर ने मानवता को अहिंसा का संदेश दिया

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत

भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा है कि आज भारत विश्व शक्ति बन चुका है। भारत की बढ़ी हुई शक्ति का ही प्रमाण है कि हम रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच वहां से अपने 23 हजार ये अधिक विद्यार्थियों को सकुशल वापिस लेकर आए। यह बात उन्होंने पानीपत टीडीआई सिटी में आयोजित भगवान महावीर जयंती कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए मुख्यअतिथि के रूप में कही।

इस मौके पर हरियाणा के महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की धर्मपत्नी सविता कोविंद, जैन मुनि समर्पण सागर जी महाराज, पानीपत ग्रामीण विधायक महिपाल ढांडा, शहरी विधायक प्रमोद विज, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता, करनाल लोकसभा क्षेत्र के सांसद संजय भाटिया के पुत्र चांद भाटिया भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उपस्थित जनसमूह को भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत की बढ़ी ताकत अहिंसा और सर्वकल्याण की भावना है। भगवान महावीर ने मानवता को अहिंसा का संदेश दिया। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर हम बड़ी से बड़ी चुनौती को पार कर सकते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि वीरों में वीर भगवान महावीर हैं। जिस कालखंड में भगवान महावीर हुए उसी कालखंड में भगवान बुद्ध भी हुए। बिहार के राज्यपाल रहते हुए मुझे इन दोनों महान विभूतियों के बारे में जानने का अवसर मिला। मेरा मानना है कि दोनों ही महान विभूतियों की भेंट जरूर हुई होगी। दोनों ने लोक कल्याण के लिए जीवन समर्पित किया। बिहार में भगवान महावीर की जन्मस्थली और निर्वाण स्थली हैं। दोनों स्थलों के दर्शन जैन समुदाय ही नहीं सभी लोगों को करने चाहिए। इन दोनों स्थानों के दर्शन से नई प्रेरणा मिलती है। हमारे सभी 24 तीर्थंकरों ने मानवता को जनकल्याण की बड़ी सीख दी। जीओ और जीने दो के सिद्धांत की शिक्षा दी। संयम और सेवा का मार्ग अपनाकर जैन संतों ने मानवता को नई राह दिखाई है और आगे भी दिखा रहे हैं।

'जैन परम्परा के तीन सिद्धांत सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक आचरण'

जैन परम्परा के तीन सिद्धांत सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक आचरण हैं। इन तीनों को अपनाकर जीवन की किसी भी समस्या से पार पाया जा सकता है। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध का विराम हो सकता है तो वह भारत के दिखाए रास्ते से से ही सम्भव है। यह एक तरह से विश्व युद्ध है। केवल यूक्रेन नहीं पूरी मानवता का नुकसान हो रहा है। जब युद्ध शुरू हुआ तो सभी देशों ने हाथ खड़े कर दिए थे लेकिन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों के राष्ट्रपतियों से बात की और यूक्रेन में पढ़ाई कर कर रहे अपने छात्रों को सुरक्षित भारत लेकर आए। यह भारत की ताकत ही है कि विद्यार्थी भारत का तिरंगा लेकर चले और यूक्रेन से बाहर निकल कर आए। 23000 बच्चों की जान जोखिम में थी। वहां से विद्यार्थियों को सुरक्षित निकालने का काम एक विश्व शक्ति ही कर सकता है। उन्होंने अपने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि पहले भारत के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री विदेश जाते थे तो कोई मंत्री रिसीव करने आते थे। 2017 के बाद मैने देखा है कि बाहर जाने पर राष्ट्रपति ही नहीं प्रधानमंत्री भी रिसीव करने आए हैं। यह केवल भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण ही हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना नियंत्रण पर जिस प्रकार हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जबरदस्त काम किया, उसी का परिणाम है कि विश्व ने हमारा लोहा माना। उन्होंने कहा कि प्रकृति का नियम है जो आप देते हैं तो वो कई गुना वापस होकर आपको मिलता है।

'पानीपत की धरती जनकल्याण की भावना से आगे बढ़े'

भगवान महावीर के संदेश का पालन करें। दया, दान की भावना होनी चाहिए। उनकी शिक्षाओं का पालन करें। उन्होंने कहा कि जहां भगवान श्रीकृष्ण ने दुनिया को गीता का संदेश दिया, उसी धरती के निकट पानीपत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का आह्वान किया था, उसके लिए सभी का सहयोग रहा है। पानीपत की यह धरती जनकल्याण की भावना से आगे बढ़े यही सभी संकल्प लें।

इस मौके पर भगवान महावीर विश्वविद्यालय के चांसलर नंद किशोर, पवन जिंदल, पानीपत के उपायुक्त सुशील सारवान, एसपी शशांक कुमार सावन, डीआरओ डॉ. राजकुमार भौरिया एवं काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सीएम मनोहर लाल को घेरने में जुटी कांग्रेस

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़

भिवानी दौरे के दौरान जज पर टिप्पणी कर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को विरोधी मुश्किल में फंसाने में जुट गए हैं। कांग्रेस ने इस मामले की शिकायत पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में की है। शिकायत में सीएम के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्रवाई की मांग की गई है। राज्य के पूर्व मंत्री अतर सिंह सैनी एवं हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के प्रदेश चेयरमैन एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने यह शिकायत की है। हालांकि सीएम खट्टर अपने इस बयान पर खेद जता चुके हैं।

हम ऑफिसर ऑफ दी कोर्ट, हमें पीड़ा हुई : हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट को भेजी शिकायत में कहा गया है कि हम भी वकील है जो कि ऑफिसर ऑफ दी कोर्ट होता है, इस वजह से हमे भी पीड़ा हुई है जो गत दो अप्रैल को भिवानी जिले के खरक कलां गांव में सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने यह कहकर अदालत की आपराधिक अवमानना की थी कि एक जज है, उसके माथे में कुछ गड़बड़ है।

बाबुल सुप्रियो बनाम पश्चिम बंगाल का हवाला: सीएम के खिलाफ की गई शिकायत में एक फैसले को बाबुल सुप्रियो बनाम पश्चिम बंगाल राज्य और अन्य का हवाला दिया है। 14 अक्टूबर 2020 में यह माना गया है कि लोगों के प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपने व्यवहार में विनम्र, अपने शिष्टाचार में गरिमापूर्ण और उनके द्वारा बोले गए शब्दों पर सतर्क रहें। इस मामले में भी अवमाननाकर्ताओं के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई शुरू किए जाने की कोर्ट से मांग की गई है।

पानीपत में धूमधाम से मनाये जाने वाले हनुमान जन्मोत्सव को लेकर तैयारी पूरी

सबसे ज्यादा आयकर देने वाला व बीपीएल कार्ड वाले व्यक्ति एक साथ करेगी भगवान की आरती

8 56 महिलाएं एक तरह की पगड़ी व एक तरह की ही ड्रेस पहन कर भगवान जी को छप्पन भोग लगाएगी

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत

पानीपत में 6 अप्रैल को धूमधाम से मनाये जाने वाले हनुमान जन्मोत्सव की सभी संस्थाओं ने संयुक्त रूप से सारी तैयारियां पूरी कर ली है। हनुमान जन्मोत्सव को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में मंगलवार को दशहरा कमेटी सनौली रोड के प्रधान रमेश माटा और समाजसेवी विकास गोयल ने बताया कि पानीपत में सबसे ज्यादा आयकर देने वाला और बीपीएल कार्ड वाला व्यक्ति एक साथ एक ज्योत से भगवान जी की आरती करेंगे। जबकि सुनिता गोयल व आरती सिंगला सहित 56 महिलाएं एक तरह की पगड़ी व एक तरह की ही ड्रेस पहन कर भगवान जी को छप्पन भोग लगाएगी। वही सबसे पहला पहला भोग मानव सेवा समिति शिवपुरी के वेद मक्कड़ अयोध्या के रामलला मंदिर से लाकर भगवान को लगाएंगे। पानीपत के सभी प्रमुख राजनीतिक परिवार हनुमान जी के लिए मीठे पराठे बनाकर लाएंगे। राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार, पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज, ग्रामीण विधायक महीपाल ढांडा, पूर्व विधायक बलबीर पाल शाह, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता, मेयर अवनीत कौर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरेंद्र बुल्ले शाह, कांग्रेस नेता संजय अग्रवाल, आप नेता कृष्ण अग्रवाल, युवा कांग्रेस नेता विपुल शाह आदि के घरों की रसोई से हनुमान जी के लिए मीठा प्रसाद बन कर आएगा। वहीं ज्योतिश्वर का पवित्र जल स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज एवं इलाहाबाद प्रयाग का पवित्र जल स्वामी अरुण दास जी महाराज लाएंगे। किन्नर समाज गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज को पंच मेवा से बोलकर वह प्रसाद जनता को वितरित करेगा। पानीपत जिले के अति प्राचीन मंदिर चुलकाना धाम, श्याम मंदिर, श्री जगन्नाथ मंदिर, श्री देवी मंदिर व श्री दिगंबर जैन मंदिर अनोखे ढंग से नगर यात्रा पर निकले स्वयंभू प्रकट ईश्वर महाराज का अभिवादन व अभिनंदन करेंगे।

मकान पर आसमानी बिजली गिरने से घरेलू समान जला

टीम एक्शन इंडिया/जींद

गांव कंडेला में मंगलवार सुबह एक मकान पर आसमान बिजली गिरने से घरेलू सामान जल कर राख हो गया। इसके अलावा दर्जनभर पड़ोसियों के बिजली उपकरण भी जल गए। घटना के दौरान परिजन बाहर बरामदे में सोए हुए थे। गांव कंडेला निवासी रणबीर के मकान पर मंगलवार अलसुबह बूंदाबांदी के दौरान आसमानी बिजली गिर गई। जिससे घर के बिजली उपकरण जल गए। घर में रखा घरेलू समान जल कर राख हो गया। घटना के दौरान रणबीर परिवार समेत बरामदे में सोया हुआ था। जो सुरिक्षत बच गया। इसके अलावा दर्जनभर पड़ोसियो के बिजली उपकरण, फ्रीज, एलईडी, बिजली मोटरें, बिजली फिटिंग व अन्य उपकरण जल गए। मकान मालिक रणबीर ने बताया कि मंगलवार को सुबह अचानक से बारिश शुरू हो गई। जिसके चलते वो परिवार समेत मकान के आगे बने बरामद में सो गया। कुछ समय के बाद आसमानी बिजली कड़कने की आवाज आई। जो धमाके में बदल गई। जिसके साथ पूरा इलाका थर्रा उठा। एक बार लगा कुछ नहीं बचा। कुछ क्षण में स्थिति सामान्य हो गई। घर में जो बिजली उपकरण थे उनके जलने की बदबू आने लगी।

विभागीय तबादले न्यायसंगत एवं ऑनलाइन पॉलिसी के अनुसार

टीम एक्शन इंडिया/चण्डीगढ़

आबकारी एवं कराधान विभाग रोहतक और हिसार के कर निरीक्षकों और लिपिकों के ऑनलाइन तबादले न्यायसंगत एवं विभाग की ऑनलाइन पॉलिसी के अनुसार हुए है और इन तबादलों में कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं है। तबादला नीति में भ्रष्टाचार, अनियमितता और पक्षपात को लेकर छपी खबर के बारे में विभाग के प्रवक्ता ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि यह तबादले सरकार द्वारा जारी नीति और एनआईसी द्वारा तैयार किए गए सॉफ्टवेयर के तहत बनाई गई सूची के आधार पर किए गए हैं। सोशल मीडिया पर प्रकाशित खबर का विभाग ने तथ्यों के आधार पर खंडन किया है।

उन्होंने बताया कि कर्मचारियों की सरलीकरण नीति के तहत कुछ पदों को ऑनलाइन तबादले के लिए ब्लॉक किया जाता है ताकि सभी दफ्तरों में कर्मचारियों की समान रूप से पदस्थापना की जाए। इसी कड़ी में जब ऑनलाइन प्रक्रिया को शुरू किया गया तो रोहतक में कर निरीक्षकों के दो पद तथा हिसार में लिपिकों के तीन पदों को ब्लॉक कर दिया गया था। प्रवक्ता ने बताया कि तबादला प्रक्रिया को फरवरी माह में पूरा कर लिया गया, लेकिन 28 फरवरी 2023 को रोहतक में श्रीमती सुशीला की सेवानिवृत्ति के कारण कर निरीक्षक का एक पद रिक्त हो गया, वहीं हिसार में कप्तान सिंह के पद मुक्त होने से लिपिक का एक स्थान खाली हो गया। वहां पद ब्लॉक करने की प्रक्रिया फरवरी माह में पूरी की गई। वहीं सॉफ्टवेयर गतिशील होने की वजह से इन खाली पदों को भी तबादलों के लिए ऑनलाइन प्रणाली द्वारा विचारा गया।

तीन युवकों ने लॉरेंस के नाम पर मांगी पांच करोड़ रुपए की फिरौती

टीम एक्शन इंडिया/कैथल

कैथल के रहने वाले तीन युवकों ने लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर पिहोवा के व्यक्ति से पांच करोड़ रुपए की फिरौती मांगी है। पीड़ित मूलत कैथल के गांव सीवन का रहने वाला है। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों आरोपी रामचंद्र, संदीप व जयपाल कैथल के रहने वाले हैं। कुरुक्षेत्र सीआईए-2 के इंचार्ज प्रतीक कुमार ने बताया कि कैथल के सीवन निवासी बलविंदर को 29 मार्च को सुबह 11 बजे एक विदेशी नम्बर से एक वाट्सअप पर कॉल आई। उसने फोन अटेंड किया तो फोन करने वाले ने अपने आपको लॉरेंस का भाई बताया। उन्होंने कहा कि जयपाल भाई को 5 करोड़ रुपए दे दें। बलविंदर ने कहा कि उसका उससे कोई लेना देना नहीं है। न ही उसके पास इतने पैसे हैं, तो फोन करने वाले ने कहा कि वह आपसे सम्पर्क करेगा, उसको पैसे दे देना। दोबारा कॉल करने का कहकर उसने फोन काट दिया। इसकी शिकायत पर थाना शहर पेहवा में आईपीसी की धारा 387 के तहत मामला दर्ज किया गया।

पानीपत में रेस्ट हाउस के गेट के पास प्याऊ का किया उद्घाटन

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत

धर्म परमार्थ सभा पानीपत और आर्य बाल भारती स्कूल प्रबंधक समिति के संयुक्त तत्वावधान में पीडब्ल्यूडी कार्यालय के गेट के पास मंगलवार को एक प्याऊ स्थापित की गई है। इस प्याऊ का उद्घाटन स्कूल प्रबंधक समिति के मैनेजर आर्य राजेंद्र जागलान ने किया। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी अशोक अरोड़ा व सम्मानित अतिथि के रूप में स्कूल के कोषाध्यक्ष आर्य मेहताब मलिक, प्राचार्या रेखा शर्मा, आर्य समाज काबडी के उप प्रधान ओम दत्त आर्य, स्कूल के उप प्राचार्य आचार्य राजकुमार शर्मा और रमेश मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता धर्म परमार्थ सेवा समिति के वरिष्ठ सदस्य संजय शर्मा बडौली ने की। वहीं मुख्य अतिथि आर्य राजेंद्र जागलान ने कहा कि अब आगे गर्मी का मौसम शुरू होने वाला है और राहगीरों व स्थानीय लोगों के पीने के पानी के लिये यहा पर प्याऊ बनाई गई है ताकि लोगों को स्वच्छ पीने का पानी मिल सके। स्कूल के प्रधान आर्य रणदीप कादियान ने कहा कि प्याऊ के संचालन में प्रबंधन समिति द्वारा हर प्रकार का सहयोग किया जाएगा।

'महापुरुषों के बताएं रास्ते पर चलकर ही आगे बढ़ना संभव'

हिसार। हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन एवं भगत शिरोमणि धन्ना जाट जयंती समारोह के प्रदेश संयोजक सुभाष बराला ने कहा है कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने पहली बार महापुरुषों की जयंती सरकारी स्तर पर मनाना शुरू किया है। इसी कड़ी में 23 अप्रैल को जींद के धनोरी में भगत शिरोमणि धन्ना जाट जयंती समारोह मनाया जा रहा है।

डिप्टी स्पीकर ने किया 51 लाख रुपये के विकास कार्यों का उद्घाटन

टीम एक्शन इंडिया/हिसार

डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा ने मंगलवार को गांव कैमरी में 51 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लोगों की भलाई के लिए अनेक योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से लागू किया गया है ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को इन योजनाओं का लाभ उपलब्ध करवाया जा सके। डिप्टी स्पीकर ने यादव धर्मशाला के निर्माण के लिए अपने ऐच्छिक कोष से 15 लाख रुपये की राशि देने की भी घोषणा की। इस मौके पर उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। ग्रामीणों ने उन्हें अवगत करवाया कि गांव में पीने की पानी की सबसे बड़ी समस्या है। इस पर डिप्टी स्पीकर कहा कि गांव में पानी की किल्लत को दूर करने के लिए पानी की पाइप लाइन बिछाई जाएगी, जिस पर लगभग सात करोड़ की राशि का एस्टीमेट बनाया गया है, जल्द ही इस समस्या का दूर किया जाएगा। मुख्यमंत्री खेत खलिहान योजना के तहत गांव से खेत के कच्चे रास्तों को पक्का करवाया जा रहा है। बरसाती पानी की जल निकास को लेकर बोरवेल स्थापित किए जाएंगे ताकि पानी की निकासी शीघ्र हो जा सके।

उन्होंने गांव गंगवा से कैमरी रोड तक के रास्ते को दुरुस्त करने के लिए पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए। डिप्टी स्पीकर ने बताया कि अंत्योदय की भावना से कार्य करते हुए राज्य सरकार ने चिराग हरियाणा में एक लाख 80 हजार रुपये से कम वार्षिक आय वाले परिवारों को लाभान्वित किया गया है। सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लोगों को घर उपलब्ध करवाने के लिए ऑनलाइन सेवाएं शुरू की गई है।

'विकास के नाम पर देश को गर्त में धकेलने का कार्य कर रही भाजपा'

उझा रोड स्थित एकता विहार कॉलोनी में जनसभा के माध्यम से हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चलाकर कांग्रेस के साथ जोड़ा कॉलोनीवासियों को

टीम एक्श इंडिया/पानीपत

वरिष्ठ कांग्रेस नेता व समाजसेवी ओमवीर सिंह पंवार ने अपने जनसम्पर्क अभियान के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में चलाये जा रहे हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए व कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी ओर सभी वर्गों की लोकप्रिय नेता बहन कुमारी शैलजा के निर्देशानुसार व देश में जन जन के प्रिय नेता राहुल गांधी की सोच को आम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिये पानीपत ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नं0 13 उझा रोड स्थित एकता विहार कॉलोनी में प्रेम रावल, आजाद व संजय बदार द्वारा एक जनसभा का आयोजन किया गया। जिसमें

कॉलोनीवासी ने भारी संख्या में उपस्थित होकर कांग्रेस पार्टी का समर्थन किया। उपस्थित कॉलोनीवासियों को सम्बोधित करते हुये वरिष्ठ कांग्रेस नेता व समाजसेवी ओमवीर सिंह पंवार ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी के द्वारा चलाये जा रहे हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के माध्यम से कांग्रेस पार्टी व राहुल गांधी के सन्देश को लेकर ग्रामीण हल्के के कोने कोने में हर व्यक्ति तक जायेंगे। पवार ने कहा कि विकास के नाम पर देश गर्त कि धकेलने का कार्य भाजपा मोदी सरकार कर रही है। आज व्यापारी, दुकानदार, किसान, मजदूर सभी भाजपा सरकार की कुनीतियों के बहुत परेशान है उनकी सुनने वाला कोई नही है चारो तरफ भष्टाचार का बोलबाला है। पवार ने पूरे जिम्मेदारी के साथ दावा किया कि राहुल गांधी एक ईमानदार व सच्चाई के साथ लड़ाई लड़ने वाले नेता है इसलिये राहुल गांधी जो कहते है उससे कभी पीछे नही हटते है ओर न ही वह किसी डरते है क्योंकि वह एक सच के साथ बोलते है। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों की लोकप्रिय नेता बहन कुमारी शैलजा के आदेशानुसार पिछले डेढ माह से पानीपत ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की बाहरी कॉलोनीयों में हाथ से हाथ जोडो अभियान के तहत अलग अलग कॉलोनियो में व्यापक तरीके से जनसम्पर्क अभियान को आगे बढ़ाते हुये कांग्रेस पार्टी की लोक कल्याणकारी नीतिय के सभी को पर्चे बाटकर अवगत कराया रहे है। कांग्रेस नेता ने कहा कि आज की वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा विपक्षी दलों की आवाज को पूरी तरह से दबाकर लोकतंत्र का गला घोटकर देश की जनता पर तानाशाही शासन करना चाहती है। सभी कॉलोनीवासियों ने ओमवीर सिंह पंवार का खुलकर साथ देने व कंधे से कंधा मिलाकर भविष्य में साथ चलने का आश्वासन दिया।

जैन स्थानक में आयोजित शिविर में 176 लोगों ने किया रक्तदान

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत

महावीर जयंती एवं गुरु सुदर्शन जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य मे मंगलवार को अग्रवाल मंडी स्थित जैन स्थानक में रेडक्रास की मदद से रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर मे 176 युवाओं ने रक्तदान किया। जैन स्थानक अग्रवाल मंडी मे विराजित गुरु सुदर्शन लाल जी महाराज के शिष्य अजीत मुनि जी महाराज साहब की प्रेरणा से शिविर लगाया गया। शिविर में मुख्य रूप से संगठन सेवा दिल से की टीम, भगवन प्रोफेशनल फोरम एवं लिनेस युथ क्लब का सहयोग रहा। वहीं प्रधान गौतम जैन ने कहा कि सभी स्वस्थ लोगों को रक्तदान अवश्य करते रहना चाहिये। सुभाष जैन ने कहा की रक्तदान ही सबसे बड़ा दान है।

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना
विभाग : Electrical (TRD)
टेंडर न. : T-17-TRD-MB-22-23-II
कार्य का नाम : मुरादाबाद मंडल के खुर्जा–हापुड़ खंड पर हाफिजपुर स्टेशन पर मिट्टी साईडिंग के प्रावधान के लिए टीआरडी का कार्य।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय : 25.04.2023 at 15:00 hrs
कार्य की अनुमानित लागत : रु. 57,11,590.62/- (18% GST सहित)
बिड सिक्यूरिटी राशि : रु. 1,14,200/-
निविदा प्रपत्र मूल्य : शून्य
ऑफर की वैधता (दिन) : 45 दिन
कार्य पूरा करने की अवधि : 6 माह
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता : www.ireps.gov.in
कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद
सं.: Elect/TRD/MB/2022-23/TN-18 दिनांक: 03.04.2023 1011/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वित्तमंत्री से की विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा

देहरादून/नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री से सौंग बांध पेयजल परियोजना के लिए 1774 करोड़ की धनराशि का वित्त पोषण भारत सरकार के पूंजीगत व्यय को विशेष सहायता के अन्तर्गत उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से देहरादून की पेयजल समस्या का समाधान हो जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देहरादून नगर और इसके उपनगरीय क्षेत्रों में पेयजल की व्यवस्था मुख्य रूप से नलकूप के द्वारा की जा रही है, जिसके फलस्वरूप भूजल स्तर में लगातार गिरावट हो रही है। देहरादून की बढ़ती हुई आबादी के कारण

8 मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री से सौंग बांध पेयजल परियोजना के लिए 1774 करोड़ की धनराशि का उपलब्ध कराने का अनुरोध किया

पेयजल की मांग निरन्तर तेजी से बढ़ती जा रही है। इसके कारण वर्तमान पेयजल आपूर्ति व्यवस्था भविष्य की पेयजल मांग को पूर्ण करने में सक्षम नहीं होगी। इस समस्या के दृष्टिगत और भविष्य में सतत पेयजल की सुविधा प्रदान करने को गंगा नदी की सहायक नदी सौंग नदी पर 'सौंग बांध पेयजल परियोजना' प्रस्तावित है। इस परियोजना की कुल लागत रू0 2021 करोड़ है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि परियोजना के निर्माण से 150 एम.एल.डी. पेयजल 'गुरुत्व' के माध्यम से देहरादून नगर व इसके उपनगरीय क्षेत्रों के लगभग 10 लाख आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा। परियोजना के निर्माण उपरान्त पेयजल व्यवस्था की नलकूपों पर निर्भरता लगभग समाप्त हो जाएगी, जिससे भूजल दोहन में भारी कमी आएगी। इसके फलस्वरूप भू जल स्तर में बढोतरी होगी। ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी आयेगी। भविष्य में नए नलकूपों और उन पर होने वाले संचालन व रखरखाव सम्बन्धी व्यय में भी भारी कमी आएगी।इसके अतिरिक्त परियोजना के निर्माण से झील का निर्माण होगा जो कि क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगा, जिससे रोजगार सृजन होगा एवं स्थानीय नागरिकों के आय में वृद्धि होगी। झील निर्माण से पर्यावरण को भी लाभ होगा। इस परियोजना का एक अन्य मुख्य लाभ बाद नियंत्रण है, परियोजना के निर्माण के फलस्वरूप देहरादून जनपद के 10 ग्रामों की लगभग 15000 आबादी को सौंग नदी में प्रतिवर्ष आने वाली बाढ़ से सुरक्षा प्रदान होगी। परियोजना देहरादून नगर के जलापूर्ति को अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

ग्राम्य विकास मंत्री ने गडकरी से की भेंट

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

कृषि और ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से आज भेंट कर मसूरी टनल शिलान्यास का निमंत्रण दिया। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री से किमाड़ी मोटर मार्ग का चौड़ीकरण और सुधारीकरण करने का अनुरोध किया।

ग्राम्य विकास मंत्री जोशी ने केंद्रीय मंत्री गडकरी को बताया कि देहरादून से किमाड़ी मोटर मार्ग, जो देहरादून-मसूरी मोटर मार्ग के वैकल्पिक मार्ग के तौर पर प्रयोग किया जाता है और पहाड़ों की रानी मसूरी में वर्ष भर सैलानियों का आवागमन होता है। अप्रैल से नवम्बर तक गंगोत्री और यमुनोत्री के लिए भी यह मार्ग यात्रा रूट के तौर पर प्रयोग किया जाता है।

मंत्री जोशी ने कहा कि देहरादून

8 गणेश जोशी ने देहरादून से किमाड़ी मोटर मार्ग चौड़ीकरण और सुधारीकरण का किया अनुरोध

से किमाड़ी मोटर मार्ग का चौड़ीकरण करने से देहरादून मसूरी मार्ग पर लगने वाले जाम से भी निजात मिलेगी और सैलानियों, श्रद्धालुओं सहित स्थानीय लोगों को भी लाभ होगा। इस पर केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सकारात्मक आश्वासन देते हुए शीघ्र मामले में कार्रवाई करने की बात कही।इसके अतिरिक्त, मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी के लिए स्वीकृत लगभग 03 किलोमीटर लम्बी टनल के शिलान्यास करने के लिए केंद्रीय सड़क, परिवहन मंत्री गडकरी को उत्तराखंड आने का निमंत्रण भी दिया।

संक्षिप्त खबरें

सैमसंग ने राष्ट्रीय इनोवेशन प्रतियोगिता सॉल्व फॉर टुमारो का दूसरा संस्करण किया लॉन्च

देहरादून। सैमसंग इंडिया ने आज से शुरू हुई अपनी राष्ट्रीय शैक्षणिक और इनोवेटिव प्रतियोगिता सैमसंग सॉल्व फॉर टुमारो के दूसरे संस्करण के लिए मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी के स्टार्टअप हब और फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर आईआईटी दिल्ली के साथ भागीदारी की है। सॉल्व फॉर टुमारो के साथ, सैमसंग का लक्ष्य देश के युवाओं के बीच इनोवेटिव सोच और समस्या का समाधान करने वाली संस्कृति का विकास करना है। सैमसंग सॉल्व फॉर टुमारो के दूसरे संस्करण का उद्घाटन श्री अल्केश कुमार शर्मा, सचिव, मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी और श्री जोंगबम पार्क, प्रेसिडेंट और सीईओ, सैमसंग साउथवेस्ट एशिया ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया। भारत के सबसे बडे इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड का प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम इनोवेटिव समाधानों की शक्ति और जीवन को बदलने की उनकी क्षमता को पहचानता है, एक मजबूत सामाजिक प्रभाव डालता है और सैमसग के पॉवरिंग डिजिटल इंडिया को और मजबूत करता है।

स्कूली छात्रों के बीच प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स का आकलन करने के लिए एचसीएल जिगसॉ- 4.ड के रजिस्ट्रेशन्स हुए शुरू

देहरादून। एचसीएल जिगसॉ- भारत के प्रीमियर क्रिटिकल रीजनिंग प्लेटफॉर्म के चौथे संस्करण के लिए रजिस्ट्रेशन्स शुरू हो चुके हैं, इसकी घोषणा 12.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन वाले वैश्विक समूह, एचसीएल द्वारा की गई है। पूरे भारत के लिए आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य बहुस्तरीय मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से विजेताओं की पहचान करके उन्हें पुरस्कृत करना और भारत में श्रेष्ठ युवा प्रॉब्लम सॉल्वर्स के समुदाय का सृजन करना है। जिगसॉ वैचारिक सोच और वास्तविक दुनिया की समस्याओं और चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करता है। जिगसॉ न सिर्फ 21वीं सदी की प्रमुख स्किल्स- रिसर्च, महत्वपूर्ण विचारों और कम्युनिकेशन के माध्यम से ग्रेड 6 से 9 तक के स्कूली छात्रों का आकलन करता है, बल्कि विश्व की वास्तविक चुनौतियों को हल करने के लिए तीनों स्किल्स को लागू करने में उनकी मदद भी करता है। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए इच्छुक छात्र या स्कूल्स ६६६ॅ२६ॅ.ङ्क्ष् पर खुद को रजिस्टर कर सकते हैं। इसकी लिंक 31 जुलाई, 2023 तक खुली है। विजेताओं को एचसीएल इनोवेशन लैब्स में सीखने के अवसर के साथ ही कुल 12 लाख रुपए के पुरस्कार दिए जाएँगे, जिसमें से प्रत्येक फाइनलिस्ट को 15,000 रुपए की राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। इस पहल के बारे में बात करते हुए, रजत चंदोलिया, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट एवं ब्रांड हेड, एचसीएल, ने कहा कि एचसीएल में, हम महज एक व्यक्ति से परे, बड़े पैमाने पर समुदायों को सक्षम करने में विश्वास रखते हैं। हमारा एजुकेशन सिस्टम, नई पीढ़ी को जीवन के हर मुकाम पर सफलता प्राप्त करने हेतु दृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है, हालाँकि, यह जरूरी नहीं कि वे सोचने और समस्याओं को हल करने में पूर्णतः कुशल हों। विश्व का विकास बहुत तेजी से हो रहा है, ऐसे में युवा मस्तिष्क में महत्वपूर्ण विचारों का सृजन समय की माँग है।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान ने विशाल ट भव्य स्तर पर मनाया भारतीय नववर्ष

देहरादून। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के संस्थापक व संचालक गुरुदेव आशुतोष महाराज की दिव्य प्रेरणा से दिल्ली के दिव्य धाम आश्रम में भारतीय नववर्ष (विक्रम संवत 2080) मनाया गया। हिन्दू संस्कृति के अनुसार प्रत्येक वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (मार्च-अप्रैल) को भारतीय नववर्ष मनाया जाता है, जो कि पूरी तरह सटीक, वैज्ञानिक ० प्रमाणिक पद्धति पर आधारित है। सर्वप्रथम अपने अंतघट में ईश्वर की प्रत्यक्ष अनुभूति प्राप्त ब्रह्मज्ञानी शिष्यों द्वारा रुद्रीपाठ किया गया। इस अवसर पर सुमधुर भक्ति रचनाओं के अतिरिक्त संस्थान के विद्वत प्रचारकों द्वारा ओजस्वी विचार भी प्रदान किये गए। ये प्रवचन जिज्ञासुओं में धैर्य, समझ और विवेक को विकसित करने में सहायक सिद्ध हुए। हमारे प्राचीन शास्त्रों से कई व्यावहारिक तथ्यों का साक्ष्य देकर भारतीय नववर्ष के महत्व को समझाया गया।

धार्मिक गुरु से मारपीट का आरोप लगाकर किया कोतवाली का घेराव

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया

भोटिया पड़ाव क्षेत्र में देर शाम एक धार्मिक गुरु से मारपीट का आरोप लगाकर एक पक्ष ने कोतवाली का घेराव किया और दूसरे पक्ष के लोगों की गिरफ्तारी की मांग की।

कोतवाली पर भीड़ बढ़ती देख मौके पर आईजी नीलेश आनंद भरणे और जामा मस्जिद के शहर इमाम मौलाना मो. आजम कादरी पहुंचे और लोगों के समझाने का प्रयास किया, लेकिन लोग नहीं माने। देर रात आक्रोशित लोगों की तहरीर पर मनोज भट्ट के समेत 30 से 40 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

देहरादून-सहारनपुर रेल मार्ग प्रारंभ हो, मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री से किया आग्रह

8 दिल्ली- रामनगर के मध्य शताब्दी एक्सप्रेस रेल सेवा संचालित किए जाने का अनुरोध किया।

देहरादून/नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री से टनकपुर-देहरादून के मध्य एक जनशताब्दी रेल सेवा और दिल्ली- रामनगर के मध्य शताब्दी एक्सप्रेस रेल सेवा संचालित किए जाने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रेल मंत्री से देहरादून से सहारनपुर को मोहंड होते हुए रेलवे से जोड़ने के लिए टनल आधारित रेल लाइन परियोजना ओर ऋषिकेश-उत्तरकाशी रेल लाइन परियोजना का शीघ्र परीक्षण कराकर इसके निर्माण की स्वीकृति प्रदान किए जाने का भी अनुरोध किया। उन्होंने रेल मंत्री से हरिद्वार से वाराणसी वंदे भारत रेल बजट को प्रारंभ किए जाने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

मुख्यमंत्री धामी ने पूर्व में मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से किच्छा-खटीमा नई रेल लाइन परियोजना की सम्पूर्ण लागत भारत सरकार द्वारा वहन किए जाने का आग्रह किया। उन्होंने अनुरोध किया

कि रामनगर-हरिद्वार -देहरादून सीधी रेल सेवा संचालित की जाए।

पूर्णागिरी मेले की अवशेष आयोजन अवधि के लिए देश के विभिन्न स्थानों मुख्यतः नई दिल्ली, मथुरा और लखनऊ आदि से टनकपुर के लिए पर्याप्त संख्या में रेल सेवा का भी संचालन प्रारम्भ किया जाए।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड में रेल सेवाओं पर रेल मंत्री के साथ चर्चा में कहा कि वर्तमान में कुमाऊं और गढ़वाल को जोड़ने के लिये देहरादून-काठगोदाम जनशताब्दी एक मात्र रेल सेवा है। कुमाऊं क्षेत्र के एक बड़े हिस्से के साथ-साथ नेपाल बॉर्डर होने के कारण वहां के लोगों का आवागमन भी टनकपुर से ही होता है। इसलिए टनकपुर-देहरादून के मध्य एक जनशताब्दी रेल सेवा संचालित करना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के जनपद नैनीताल के रामनगर क्षेत्रान्तर्गत स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल जिम कार्बेट नेशनल पार्क में देश-विदेश से पर्यटकों का निरन्तर आवागमन होता है। इसलिए दिल्ली-रामनगर शताब्दी एक्सप्रेस रेल सेवा संचालित किया जाना अति आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून से नई दिल्ली तक रेल की यात्रा करने के लिए वर्तमान में हरिद्वार होकर जाना पड़ता है। हरिद्वार-देहरादून रेल लाइन सिंगल लेन है। देहरादून से हरिद्वार तक का अधिकांश अंश राजाजी नेशनल पार्क के अन्तर्गत होने के कारण वन्यजन्तु की सुरक्षा की दृष्टि से रेल की गति भी अत्यन्त नियंत्रित होती हैं। फलतः सम्पूर्ण यात्रा में अपेक्षाकृत अधिक समय लगता है। यदि देहरादून से मोहंड होते हुए सहारनपुर तक रेल लाइन, जिसका कुछ भाग टनल के माध्यम से भी होगा, यह निर्मित कर दी जाती है तो नई दिल्ली एवं देहरादून के मध्य रेल द्वारा भी आवागमन अधिक त्वरित हो जायेगा।

सैनिक कल्याण मंत्री जोशी रक्षामंत्री से मिले

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

सैनिक कल्याण मंत्री ने मंगलवार को नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भेंट कर उन्हें उत्तराखंड में निमार्णाधीन सैन्य धाम की वर्तमान कार्य प्रगति के संबंध में विस्तार से अवगत कराया।

रक्षा मंत्री के आवास में हुई भेंट के दौरान सैनिक कल्याण मंत्री ने बताया कि उत्तराखंड में पंचमधाम के तौर पर सैन्यधाम का निर्माण किया जा रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी परिकल्पना के अनुसार तैयार हो रहा है। यह सैन्यधाम आने वाले पर्यटकों तथा राज्य के नव युवकों को प्रेरित करने के साथ यह धाम संपूर्ण देश की भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा देगा और उन्हें

सैन्य सेवाओं में आने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि सैन्यधाम की शोभा बढ़ाने के लिए भारतीय वायु सेना के निष्प्रोजय एमईजी-23 विमान, एक भारतीय नौसेना के पोत का मॉडल और एक आर्ट्रेरी गन सैनिक कल्याण विभाग को प्रदान किया जाए।

सैनिक कल्याण मंत्री ने रक्षा मंत्री से उत्तराखंड में ईको टास्क फोर्स की 04 अन्य बटालियन की स्थापना का भी अनुरोध किया।

उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के सीमावर्ती जिलों में चार लाख से अधिक अखरोट के पौधों का रोपण किया गया है और आगे भी यह कार्रवाई जारी रखनी है, जिसके लिए इकोलॉजी टास्क फोर्स की अन्य चार कंपनियों का गठन किया जाना नितांत आवश्यक है। इससे जहां एक ओर स्थानीय लोगों की स्थिति को ठीक करने और उन्हें आजीविका प्रदान करने और पलायन रोकने में सहयोग मिलेगा

वहीं दूसरी ओर गढ़वाल एवं कुमाऊं में पूर्व सैनिकों से रोजगार तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में ग्रामीणों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था स्थापित होगी।

नवनियुक्त कांग्रेस अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य से की मुलाकात

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया

हल्द्वानी में बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष गोविंद बिष्ट और हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने आज नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य से उनके आवास में शिष्टाचार मुलाकात की।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कांग्रेस के नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष गोविंद बिष्ट को शुभकामनाएं देते हुए राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों को जनता तक ले जाने की यह रणनीति बनाने के साथ ही कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा भी की है।

व्यापारियों ने किया पॉड टैक्सी योजना का विरोध

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल ने आज अपर रोड पर पॉड टैक्सी योजना का विरोध करते हुए प्रोजेक्ट को अपर रोड जीरो जोन क्षेत्र से बाहर करने की मांग की।

प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष डॉ. नीरज सिंघल ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि प्रोजेक्ट अभी पूरे भारत में कहीं नहीं आया है। बड़े शहरों में जहां पर यह प्रोजेक्ट लगने चाहिए, अभी यह वहां भी नहीं लगे हैं। जबकि हरिद्वार शहर पौराणिक शहर है, इससे इसकी पौराणिकता समाप्त होगी जिसका हम विरोध करते हैं।

जिला महामंत्री संजय त्रिवाल ने कहा कि अपर रोड पर अर्ध कुम्भ और कुम्भ मेला ही नहीं अपितु पूरे वर्ष बड़े-बड़े धार्मिक जुलूस निकलते हैं, जिसमे ऊंची-ऊंची धर्म पताकाएं निकलती हैं। यदि सड़कों के बीचो बीच दोनों साइड में उक्त प्रोजेक्ट के पिलर खड़े होंगे तो जगह कहां बचेगी। शाही जुलूस कैसे निकलेंगे।

तेजप्रकाश साहू ने कहा कि हरिद्वार की भौगोलिक परिस्थितियां अन्य बडे.शहरों से भिन्न हैं। काशी, प्रयागराज, उज्जैन, मथुरा में चारों तरफ बहुत जमीन उपलब्ध है, लेकिन हरिद्वार जैसा छोटा सा शहर जो कि मुख्यत हरकी पौड़ी से लेकर रेलवे स्टेशन के डेढ़ किमी क्षेत्र बसता है, उसे आर्थिक लाभ के लिए नष्ट नहीं किया जाना चाहिए। यह क्षेत्र भी केवल लंबाई में है। एक तरफ शिवालिक पर्वतमाला दूसरी तरफ मां गंगा है।

इस प्रोजेक्ट के कारण तोड़े जाने वाले क्षेत्र के बाद यहां क्या बचेगा। प्रदर्शन करने वालों में विनय त्रिवाल, प्रदुमन भगत, गोपाल दास, सुनील कुमार, पवन सुखीजा, गगन गुगनानी, अजय रावल, अमन कुमार, साहिल शर्मा, धर्मेंद्र शाह आदि मौजूद रहे।

भगवान महावीर की जयंती पर निकाली गई विशाल शोभायात्रा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

जैन समाज द्वारा भगवान महावीर जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा आकर्षण का केन्द्र रही।

मंगलवार को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भी महावीर जयंती का उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। प्रातःकाल से ही मंदिर प्रांगण में रथ के लिए बोलियां लगाई जा रही थीं, जिसमें जैन समाज के प्रतिष्ठित लोगों ने बढ़ चढ़कर बोली में हिस्सा लिया।

जैन समाज के अध्यक्ष नरेश जैन ने बताया कि महावीर जैन का मंगलवार को जन्मोत्सव मनाया गया। भगवान महावीर ने एक ही नारा दिया के अहिंसा परमो धर्म इसी पर चलते हुए जैन समाज

हमेशा कार्य करता रहा है।

जैन समाज की ओर से सेवा भाव के चलते गरीबों के लिए अस्पताल डिस्पेंसरी फ्री दवाइयां और शिक्षा के क्षेत्र में भी कई स्कूल चलाए जा रहे हैं जहां मुफ्त शिक्षा दी जाती है। यह जैन समाज का सेवा भाव ही है कि महावीर जी के बताए रास्ते पर पूरा देश चले। ऐसे ही भगवान महावीर के जन्मोत्सव पर विशाल शोभायात्रा निकाली गई। गांधी रोड जैन भवन से निकली गई यह शोभायात्रा शहर के विभिन्न बाजारों से होती हुई वापस जैन मंदिर में समाप्त हुई।

राष्ट्रीय कार्यशाला के संदर्भ में गणेश जोशी ने की चर्चा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

राज्य कृषि विपणन बोर्डो की राष्ट्रीय परिषद के चेयरमैन और उत्तराखंड के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने नई दिल्ली में कौसांब के अधिकारियों के साथ उत्तराखंड में होने वाली राष्ट्रीय कार्यशाला के संबंध में समीक्षा बैठक की।

कौसांब के चेयरमैन गणेश जोशी ने प्रबंध निदेशक जेएन यादव को निर्देशित किया कि 11 अप्रैल से 13 अप्रैल तक मसूरी में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सेमिनार की पूर्ण तैयारियां सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि देश के अन्य राज्यों से

आने वाले सभी महानुभाव के आवागमन की व्यवस्था, उनके ठहरने का उचित प्रबंध सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अथक प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र में वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया है और प्रधानमंत्री मोदी का विशेष ध्यान है। देश में मिलेट्स का उत्पादन बढ़ाया जाए। इसी को लेकर कौसाम ने मोटे अनाज के पोटेंशियल और अपॉर्चुनिटी विषय पर दिनांक 11 अप्रैल से 13 अप्रैल तक मसूरी में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया है। बैठक में कौसांब के प्रबंध निदेशक जेएस यादव, सलाहकार गिरीश बलूनी, हनुमंत यादव, चंदन भल्ला उपस्थित थे।

उप-सचिव ने सचिव पर किया जानलेवा हमला, मुकदमा दर्ज

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया

हल्दूचौड़ स्थित लालबहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय के उप सचिव के खिलाफ लालकुआं कोतवाली में महाविद्यालय के ही सचिव द्वारा मारपीट की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है।उपसचिव पर महाविद्यालय के सचिव ने केंची से जानलेवा हमला करने का सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। सोमवार की रात लालबहादुर शास्त्री महाविद्यालय के उप सचिव देवेंद्र नैनवाल और सचिव महेश बिष्ट नगर के एक प्रिंटिंग प्रेस महाविद्यालय में आयोजित वार्षिकोत्सव को लेकर फ्लेक्सी बनवा रहे थे।

भगवान महावीर जयंती पर मिष्ठान वितरण

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया

महावीर इंटरनेशनल ऋषिकेश द्वारा भगवान महावीर जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान मिष्ठान वितरण किया गया।

मंगलवार को महावीर इंटरनेशनल ऋषिकेश द्वारा आयोजित महावीर जयंती के दौरान जैन समाज से जुड़े लोगों ने ऋषिकेश हरिद्वार मार्ग पर स्थित श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर में प्रातः पूजा अर्चना कर बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर पी के जैन ,अखिल जैन, वैभव जैन महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष वीर श्रवण कुमार जैन ,वीर पीके जैन ,वीर प्रदीप जैन ,वीर सचिन जैन, वीर संजीव जैन, वीर जयदीप जैन ,वीर अशोक कुमार जैन, वरिष्ठ नागरिक कल्याण संगठन के महामंत्री एन. सी. भारद्वाज आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

संपादकीय

बिहार से बंगाल तक हिंसा

जिस समय देश उल्लास और उत्साह के साथ राम भक्ति के रंग में डूबकर रामनवमी का पर्व मना रहा था उस समय कुछ शरारती तत्व अपने राजनैतिक आकाओं के बल पर हिंसा का तांडव रच रहे थे। रामनवमी के पावन अवसर पर बंगाल से बिहार, झारखंड और महाराष्ट्र तक जिस प्रकार से चुन चुन कर रामनवमी झांकियों, यात्राओं और भक्तों पर पथराव तथा हिंसा की गई वह निंदनीय नहीं घृणित है और उससे भी अधिक घृणित है उस हिंसा को सही ठहराने वाले छद्म धर्मनिरपेक्ष लोगों का व्यवहार फिर वो चाहे कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री ही क्यों न हों। रामनवमी को हिन्दुओं पर हमले के रूप में प्रारम्भ हुयी हिंसा महाराष्ट्र के संभाजीनगर से बंगाल के हावड़ा से होती हुई बिहार के पांच जिलों और झारंखड के साहिबगंज तक पहुंच गई । भीषण उपद्रव और हिंसा के बाद महाराष्ट्र व गुजरात में तो स्थिति नियंत्रण में आ गई लकिन बिहार के पांच व बंगाल में कई इलाकों में हिंसा लगातार जारी है। बिहार व बंगाल के उपद्रवियों को पता है कि उन्हें राजनैतिक संरक्षण प्राप्त है तथा वह अपने उद्देश्य को प्राप्त कर सकते हैं और यही कारण है कि बिहार के दंगाग्रस्त क्षेत्रों से हिन्दुओं के पलायन के ह्रदय विदारक विडियो वायरल हो रहे हैं। भारत की राजनीति में सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है कि पहले तो सनातन हिंदू समाज के पर्वों व उनकी शोभा यात्राओं को हिंसक उपद्रवी तत्वों की ओर से जानबूझकर निशाना बनाया जाता है और फिर उसके बाद उनके तथाकथित सेकुलर राजनैतिक नेता टीवी चैनलों पर आकर हिंदू समाज और पीड़ित पक्ष को ही दोषी बताकर उपद्रवियों का हौसला बढ़ाते हैं। आज पूरा बंगाल व बिहार त्रस्त है। दोनों ही राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठ व रोहिंग्याओं की बाढ़ आ गई है जिसके कारण स्थानीय स्तर पर जनसंख्या संतुलन बिगड़ गया है। यही लोग दोनों ही राज्यों में अशांति का सबसे बड़ा कारण हैं । स्थानीय छद्म धर्मनिरपेक्ष दल अपने निहित स्वार्थों के चलते इनको प्रश्रय दे रहे हैं और उनकी अराजक गतिविधियों का समर्थन कर रहे हैं। बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हरकतों व उनकी बयानबाजी के कारण ही हिंसा भड़की। रामनवमी के पहले वह अपनी राजनीति चमकाने के लिए लिए केंद्र सरकार के खिलाफ धरने पर बैठ गईं और फिर बयान दिया कि वह रामनवमी की शोभायात्रा को रोकेंगी नहीं लेकिन यदि किसी प्रकार का कोई उपद्रव या हिंसा होती है तो वह बख्शेंगी भी नहीं। माना जा रहा है कि उनके बयानों के कारण ही उपद्रवियो का हौसला बढ़ गया।हावड़ा व अन्य जगहों पर हिंदू समाज को रामनवमी मनाने से रोकने और डराने - धमकाने के लिए पत्थरबाजी की गई और बम फेंके गये।वाहनों, दुकानों को आग लगाई गई और जमकर लूटपाट की गई। बंगाल के वर्धमान जिले में एक बीजेपी नेता की हत्या कर दी गई।आज पूरा बंगाल जल रहा है। आजकल हिंदू विरोधियों और उनके आकाओं ने हिंसा और उसके बाद के भाषणों का एक नया पैटर्न बना लिया है।

पहले उपद्रवी पत्थरबाजी, हमले और हिंसा करते हैं और उसके बाद उनके आका बयां जारी करते हैं कि शोभायात्रा में शामिल लोग जोर -जोर से डीजे बजा रहे थे या फिर वो मुस्लिम बाहुल्य वाले इलाकों से क्यों निकले या फिर किसी मस्जिद के सामने नारे क्यों लगाए ? यह राजनैतिक स्वार्थ सिद्धि का एक खतरनाक पैटर्न है। बंगाल के हावड़ा तथा अन्य जिलों में हुई हिंसा के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हिंदू समाज पर ही आरोप मढ़ रही हैं और और अंतिम जांच रिपोर्ट आने से पूर्व ही जज बन गयी हैं।

बेमौसम बारिश से फसलें खराब !

सुनील कुमार महला

"आंकड़ें.बताते हैं कि बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि व तेज हवाओं से क्रमश: मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में 5.23 लाख हेक्टेयर से अधिक गेहूं की फसल को प्रभावित किया है। इससे उपज का नुकसान तो हुआ ही है साथ ही साथ किसानों के समक्ष कटाई व फसलों के भंडारण की समस्या भी पैदा हो गई है। इस समय बेमौसम बारिश की मार से आधा भारत बेहाल है और रह-रहकर हो रही बारिश से फसलों का बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है। ओलों व बर्फबारी से किसानों को बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इस बार मौसम किसानों का साथ नहीं दे रहा है। फसलों के खराबे से करोड़ों का नुकसान हुआ है। गेहूँ की पकी फसलें तो अधिक बारिश से जमीन पर गिर गई और गेहूँ का दाना बारिश से काला पड़ गया। सरसों की फसलों को भी बहुत नुकसान हुआ है"

पिछले कुछ समय से बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं ने कई राज्यों में किसानों के समक्ष बहुत बड़ी परेशानी खड़ी कर दी है। आंकड़ें.बताते हैं कि बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि व तेज हवाओं से क्रमशः मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में 5.23 लाख हेक्टेयर से अधिक गेहूं की फसल को प्रभावित किया है। इससे उपज का नुकसान तो हुआ ही है साथ ही साथ किसानों के समक्ष कटाई व फसलों के भंडारण की समस्या भी पैदा हो गई है। इस समय बेमौसम बारिश की मार से आधा भारत बेहाल है और रह-रहकर हो रही बारिश से फसलों का बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है। ओलों व बर्फबारी से किसानों को बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इस बार मौसम किसानों का साथ नहीं दे रहा है। फसलों के खराबे से करोड़ों का नुकसान हुआ है। गेहूँ की पकी फसलें तो अधिक बारिश से जमीन पर गिर गई और गेहूँ का दाना बारिश से काला पड़ गया। सरसों की फसलों को भी बहुत नुकसान हुआ है। एक आंकड़ें.के अनुसार राजस्थान में कटी हुई व खेतों में खड़ी जीरे की 80 हजार हैक्टेयर की शेष फसल में 60 प्रतिशत से ज्यादा नुकसान की आशंका है जिससे 1500 करोड़ से ज्यादा का नुकसान होने का अंदेशा है। ईसबगोल की फसल को भी काफी हद तक बारिश से नुकसान पहुंचा है।बताया जा रहा है कि ईसबगोल की 18 हजार हैक्टेयर फसल में 300 करोड़ से ज्यादा के नुकसान की आशंका है।जीरा और इसबगोल की फसल खराब होने से करीबन 1700 करोड़ का नुकसान हुआ है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण राजस्थान के अनेक भागों में हर वर्ष बारिश होती है और इससे खेतों में खड़ी व कटी दोनों ही फसलों को बहुत नुकसान पहुंचता है। ओलावृष्टि ने कोढ़ में खाज का काम किया और इससे सरसों को नुकसान पहुंचा। खेतों में पानी भरने से रायड़ा की फसल को भी नुकसान पहुंचा है। खेती ही नहीं अपितु बारिश, ओलों और बर्फबारी के साथ-साथ अंधड़, आंधी, तूफान ने संपूर्ण आम जन-जीवन अत्यंत असहज व अस्त-व्यस्त सा कर दिया है। आज लगातार ऋतु परिवर्तन हो रहा है, बेमौसम बारिश हो रही है। भारतीय कृषि को तो वैसे भी मानसून का जुआ कहा गया है, क्यों कि यहाँ बारिश का वितरण असमान

रहता है और कभी भी बारिश हो जाती है और कभी भी सूखा पड़ जाता है। मार्च अप्रैल के आते आते खेतों में खड़ी फसलें पक जाती हैं और कटने के लिए तैयार होती हैं, ऐसे में बारिश, अंधड़,तूफान, ओलावृष्टि होती है तो किसानों को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किसानों की पूरे साल की मेहनत मिट्टी में मिल जाती है। इस बार कहीं-कहीं तो बेमौसम बारिश का असर इतना अधिक रहा कि फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई।इस बार पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के कारण आंधी, ओलावृष्टि और तेज हवा के साथ बेमौसम बारिश हुई है, और ये सभी राज्य गेहूँ की फसल के बड़े उत्पादक राज्य हैं।बारिश ऐसे समय में आई है, जब फसल कटाई के लिए लगभग लगभग पककर तैयार थी। हाल फिलहाल पंजाब, हरियाणा व राजस्थान के क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया जा रहा है कि वास्तव में कितना नुकसान हुआ है। अंदेशा जताया जा रहा है सबसे ज्यादा नुकसान गेहूँ की फसल को ही हुआ है। नुकसान पचास प्रतिशत तक बताया जा रहा है। आंकड़ों की बात करें तो राजस्थान में 29.65 लाख हेक्टेयर के कुल बोए गए क्षेत्र में से लगभग 3.88 लाख हेक्टेयर गेहूं की फसल बेमौसम बारिश के कारण प्रभावित हुई है। राजस्थान में गेहूं के अलावा सरसों, चना, जौ और अन्य सब्जियों की फसलें प्रभावित हुई हैं। राज्य में बारिश के कारण करीब 1.54 लाख हेक्टेयर सरसों और 1.29 लाख हेक्टेयर चने की फसल को भी नुकसान पहुंचा है। अगेती और पिछेती दोनों ही फसलों को बारिश, अंधड़, ओलावृष्टि से नुकसान पहुंचा है। यहाँ जानकारी देना चाहूंगा कि कृषि क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का आधारभूत स्तंभ है। यह क्षेत्र न केवल भारत की जीडीपी में लगभग 15% का योगदान करता है बल्कि भारत की लगभग आधी जनसंख्या रोजगार के लिये कृषि क्षेत्र पर ही निर्भर है। और यदि भारतीय कृषि का बारिश, ओलावृष्टि, अंधड़,तूफान के कारण खराबा होता है तो इससे निश्चित ही भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी कहीं न कहीं प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव पड़ता ही है।असमय बारिश, अंधड, ओलावृष्टि से संपूर्ण उत्तर एवं मध्य भारत में गेहूं, सरसों, चना, इत्यादि की पैदावार बुरी तरह प्रभावित हुई है। हालांकि जो फसलें मौसम की मार से बची हुई हैं, उन्हें भी तब ही सुरक्षित रखा जा सकता है, जब मौसम में बदलाव होगा अथवा उसमें स्थिरता आयेगी। भंडारण, फसलों की कटाई-छंटाई भी अच्छे मौसम में ही संभव होती है। आज धरती की जलवायु, मौसम निरंतर बदल रहा है, मौसम और जलवायु में आमूल चूल परिवर्तन आ गए हैं। हरित ग्रह प्रभाव, अलनीनो का असर धरती के पारिस्थितिकीय तंत्र पर पड़ा है। सच तो यह है कि बढ़ते ग्रीन हाउस प्रभाव से धरती के तापमान में बढ़ोतरी हुई है और तापमान बढ़ोतरी से बारिश का असमान वितरण है। आज बारिश की अनिश्चितताओं का सामना करने वाली फसलों के बीज तैयार करने की आवश्यकता है। फसलों को बेमौसम बारिश से बचाने के लिए खेतों में जलनिकासी की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। किसानों को यह चाहिए कि वे समतल भूमि की बजाय खेतों में ऊंची मेड़ बनाकर खेती करें। इसके अलावा, हमारा फसल प्रबंधन भी सही होना चाहिए। वास्तव में, मौसम की मार किसान की कमर ही तोड़ देती है। किसान खेती करके प्रकृति का संरक्षण ही करता है, कभी विनाश नहीं करता। परंतु आज विकास के नाम पर प्रकृति का विनाश हो रहा है। प्रकृति से छेड़छाड़ के कारण भी असमय बरसात होती है अथवा कभी होती ही नहीं है, सूखा भी पड़ जाता है। आज पहाड़ों व वनों की कटाई तथा नदियों से रेत का अनवरत खनन प्रकृति के स्वभाव को लगातार बिगाड़ रहा है। जनसंख्या का दबाव शहरों में कूड़े के पहाड़ खड़े कर रहा है। सड़कों पर दौड़ते अनियंत्रित वाहनों से निकलने वाली गैसें पर्यावरण और ऋतुओं को भी प्रभावित कर रही हैं। वहीं प्रकृति से छेड़छाड़ का खमियाजा किसान को भुगतना पड़ रहा है। धरती का संपूर्ण पारिस्थितिकीय तंत्र गड़बड़ी का शिकार हो गया है और आज हमारी खाद्य श्रृंखला भी खतरे में पड़ती जा रही है। फसलों पर निरंतर पड़ रही मौसम की मार के कारण आम आदमी पर महंगाई की मार और अधिक बढ़ सकती है। ऐसे में जरूरी है कि हमारे कृषि वैज्ञानिक इस समस्या का हल निकालने का प्रयास करें। आज जनसंख्या के बोझ ने राष्ट्र के लिये पहले ही बड़ी चुनौती खड़ी कर रखी है। वास्तव में, आज पौधारोपण को अधिकाधिक प्रोत्साहन, जल संरक्षण तथा कम पानी के प्रयोग वाली फसलें पैदा करने की जरूरत अति अहम् हो गई है। बेमौसमी बरसात तथा ओलावृष्टि से नष्ट फसलों के लिए पर्याप्त मुआवजा आदि की व्यवस्थाएं भी की जानी चाहिए.किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और सरकार द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं और नवीनतम तकनीक आदि के बारे में भी समय-समय पर जागरूक किये जाने की जरूरत है। फसल बीमा योजना विभिन्न प्राकृतिक संकटों(ओलावृष्टि, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, पाला पड़ना) के जोखिम से क्षतिपूर्ति का एक अच्छा और बेहतरीन उपाय है।

कविता

धड़क रहा सीना किसान का

आसमां से बादल कर रहे बरसात,
धड़क रहा है सीना किसान का,
फसल तैयार खड़ी है खेतों में,
काटने को तैयार मन है किसान का,

लिया हुआ है कर्ज,चुकता करनी है बच्चों की फीस,
वादा जो आढ़ती से किया हुआ है किसान का,
अपने- अपने खेत की जमीन में,
खून-पसीना लगा है किसान का,

मौसम ने जो तेज हवा है चलाई,
विचलित सा मन हो रहा किसान का,
हवाओं और हो रही बरसात से,
दुःखी हो रहा तन- मन किसान का,

लगाई थी मेहनत और पूँजी,
खेत की फसल में बसा सपना किसान का,
बारिश और हवा से नष्ट हो जाए फसल,
दिल -जिगर रोता है किसान का

रामेश्वर देव

बुराई तब बढ़ती है जब अच्छे लोग कुछ नहीं करते ?

डॉ सत्यवान सौरभ

यदि आप कुछ ऐसा होने देते हैं जो स्वाभाविक रूप से बुरा या बुरा था जब आपके पास ज्ञान या अनुभव था कि घटना नैतिक रूप से गलत थी, तो आप "बुराई" को जीतने देंगे. उदाहरण के लिए, जब आप किसी बूढ़े व्यक्ति को लुटते हुए या किसी लड़की को छेड़ते हुए देखते हैं और आपने घटना के दौरान इसके बारे में निष्क्रियता को चुना। आपने महसूस किया होगा कि आप हस्तक्षेप नहीं कर सकते क्योंकि "यह आपके किसी काम का नहीं था"। या आपको डर था कि अगला निशाना आप ही होंगे। या हो सकता है, आपने मान लिया हो कि कोई और आगे आकर कुछ कहेगा। या आपने सोचा कि आप समय नहीं निकाल सकते। या आप यह भी सोच सकते हैं कि शायद आप स्थिति को गलत समझ रहे थे। या कोई कार्रवाई करेगा या आपके लिए कुछ कहेगा। पृथ्वी पर हर संभव कारण के बावजूद, हम बुराई को प्रबल होने देते हैं क्योंकि हम अलोकप्रिय होने से डरते हैं, डरते हैं या स्पष्ट रूप से, परवाह नहीं करते हैं। हमारी दुनिया ऐसे लोगों से भरी पड़ी है जो कुछ नहीं कर रहे हैं। जब आप बुराई को उंगली देते हैं, तो वे आप सभी को खा जाते हैं। तो, जो भी बुरी चीजें हो रही हैं, लोग इतने निष्क्रिय क्यों हैं? सबसे पहले, हम अभिजात वर्ग द्वारा इस तरह सोचने के लिए प्रोग्राम किए गए हैं। हमें अपनी देखभाल करना और स्कूल, खेल, काम, राजनीति, धर्म और बहुत कुछ में दूसरों के साथ प्रतिस्पर्धा करना सिखाया जाता है। यह एक ऐसी रचना है जो हजारों वर्षों से चली आ रही है। हमने मूर्ति बनाना सीख लिया है और प्रत्येक मानव में वास्तविक मूल्य नहीं देखना सीख लिया है। लोगों के पास "मूर्तियां" होती हैं जिनका वे अनुसरण करते हैं और उन पर विश्वास करते हैं। आप केवल अपने स्वयं के "मूर्ति" क्यों नहीं हो सकते? आप अभी भी उन लोगों की सराहना कर सकते हैं जो महान चीजें बनाते हैं लेकिन सभी लोग बनाने में सक्षम हैं। यह उन घटनाओं की सटीक प्रतिकृति है जो अफगानिस्तान में तालिबान के काबुल पर नियंत्रण करने के साथ हुई हैं। दुनिया तालिबान की जीत और अफगानिस्तान से भागने की कोशिश कर रहे लोगों और इस प्रयास में कई लोगों के मारे जाने के साथ जो देख रही है, वह वास्तव में शुद्ध बुराई है। कोई इसे किसी भी तरह, आकार या रूप में सही नहीं ठहरा सकता। हम आराम से बैठकर इसे अपने कंप्यूटर स्क्रीन और टीवी स्क्रीन पर नहीं देख सकते। इसका मुकाबला करना ही होगा नहीं तो यह पूरी दुनिया में कैंसर की तरह फैल जाएगा। राष्ट्रपति बिडेन ने कहा कि ट्रंप प्रशासन और तालिबान के बीच हुए भयानक शांति समझौते को देखते हुए वापसी के लिए उनके हाथ बंधे हुए हैं। लेकिन अफगानों को पिछले दो दशकों में अमेरिका द्वारा उनके साथ किए गए लाभ को बनाए रखने का बेहतर मौका देते हुए अमेरिकी सैनिकों को वापस लेने का एक तरीका अभी भी था। बिडेन ने अन्यथा चुना। जिस तरह से उन्होंने अमेरिकी सैनिकों की वापसी और अंततः प्रस्थान की घोषणा की - लड़ाई के मौसम की शुरूआत में, तेजी से समय रेखा पर और अफगान सरकार के साथ पर्याप्त समन्वय के बिना - हमें वर्तमान स्थिति में मिला है।

विचार

क्या है हिन्दू फोबिया का कारण

डॉ नीलम महेंद्र

आज जहां एक तरफ देश में हिन्दू राष्ट्र चर्चा का विषय बना हुआ है। तो दूसरी तरफ देश के कई हिस्सों में रामनवमी के जुलूस के दौरान भारी हिंसक उत्पात की खबरें आती हैं। एक तरफ हमारे देश में देश में धार्मिक असहिष्णुता या फिर हिन्दुफोबिया का माहौल बनाने की कोशिशें की जाती हैं तो दूसरी तरफ अमेरिका की जॉर्जिया असेंबली में 'हिंदूफोबिया' (हिंदू धर्म के प्रति पूर्वाग्रह) की निंदा करने वाला एक प्रस्ताव पारित किया जाता है। इस प्रस्ताव में कहा जाता है कि "हिंदू धर्म दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे पुराना धर्म है और दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में 1.2 अरब लोग इस धर्म को मानते हैं। यह धर्म स्वीकार्यता, आपसी सम्मान और शांति के मूल्यों के साथ विविध परंपराओं और आस्था प्रणालियों को सम्मिलित करता है। हिन्दू धर्म के योग, आयुर्वेद, ध्यान, भोजन, संगीत और कला जैसे प्राचीन ज्ञान को अमेरिकी समाज के लाखों लोगों ने व्यापक रूप से अपना कर अपने जीवन को सुधारा है।" एक रिपोर्ट के अनुसार 3.6 करोड़ अमरीकी योग करते हैं और 1.8 करोड़ ध्यान लगाते हैं। इन परिस्थितियों में प्रश्न यह उठता है कि क्या हिन्दू धर्म जिसे हम सनातन धर्म भी कहते हैं और "सनातन संस्कृति" भी कहते हैं इसमें ऐसा क्या है कि "हिन्दुफोबिया" जैसी भावना या फिर ये शब्द ही आस्तिव में आया? क्या है ये सनातन संस्कृति जिसका साक्षी भारत रहा है? क्या ये वाकई में अनादि और अनन्त है? वर्तमान में इस प्रकार के प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक हो गए हैं। लेकिन समस्या ये है कि इन प्रश्नों के उत्तर किसी पुस्तक में तो कतई नहीं मिलेंगे। क्योंकि ये प्रश्न जितने जटिल प्रतीत होते हैं इनके उत्तर उससे कहीं अधिक सरल हैं। हमारे मन में यह विचार आ सकता है कि यदि हम वेद पुराण आदि पढ़ लें तो हमें इन सभी सवालों के जवाब मिल जाएंगे। शायद ऐसा सोचने वाले लोगों के लिए ही कबीर ये पंक्तियां लिख कर गए थे कि पोथी पढ़ पढ़ जग मुआ पंडित बना न कोय ढाई आखर प्रेम का पढ़े तो पंडित होय। देखा जाए तो इन सरल सी पंक्तियों में कितनी गहरी बात छिपी है। वाकई में अगर हम इन प्रश्नों के उत्तर खोजना चाहते हैं तो हमें किसी वेद पुराण या किसी किताब को नहीं बल्कि भारतीय समाज को,उसकी समाजिक व्यवस्था को बारीकी से समझना होगा। वो संस्कृति जो संस्कारों से बनती है। वो संस्कार जो पीढ़ी दर पीढ़ी मां से बेटी में और पिता से बेटे में स्वतः ही बेहद साधारण तरीके से चले जाते हैं। इस प्रकार एक परिवार से समाज में और समाज से राष्ट्र में ये संस्कार कुछ इन सहजता से जाते हैं कि वो उस राष्ट्र की आत्मा बन जाते हैं। लेकिन खास बात यह है कि संस्कार देने वाला जान नहीं पाता और लेने वाला समझ भी नहीं पाता कि कब एक साधारण सा व्यवहार संस्कार बनते जाते हैं और कब ये संस्कार संस्कृति का रूप ले लेते हैं। ये भारत में ही हो सकता है कि कहीं किसी गली या मोहल्ले में अगर कोई गाय ब्याहती है (बछड़े को जन्म देती है) तो आस पास के घरों से महिलाएं मिल जुल उसके लिए दलिया बनाकर उसे खिलाती हैं, उसके बछड़े के लिए घर से किसी पुराने कपड़े का बिछावन बनाती हैं। कहीं किसी नुक्कड़ पर यदि किसी कुक्कुरी (मादा श्वान) ने पिल्ले दिए हैं तो आस पास के घरों से बच्चे उसके और उसके पिल्लों के लिए दूध और खाने का विभिन्न सामान लेकर आते हैं और माता पिता भी बच्चों को प्रोत्साहित करते हैं। ये भारत में ही होता है कि लोग सुबह की सैर के लिए निकलते हैं तो चींटियों और मछलियों के लिए घर से आटा लेकर निकलते हैं। ये भारत में ही होता है कि लोग अपने घरों की छत पर पानी से भरा मिट्टी का सकोरा और दाना पक्षियों के लिए रखते हैं। ये भारत में ही होता है कि हर घर की रसोई में पहली रोटी गाय के लिए और आखरी रोटी कुत्ते के लिए बनती है। ये छोटी छोटी बातें भारत के हर व्यक्ति का साधारण व्यवहार है जिससे कि इस सृष्टि के प्रति उसके दायित्वों का निर्वाहन अनजाने ही सहजता से हो जाता है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादकः रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

क्या सस्ती पब्लिसिटी पाने के लिए बागेश्वर सरकार के बोल बिगड़ते है ?

अशोक भाटिया

बागेश्वर धाम सरकार के नाम से मशहूर धीरेन्द्र शास्त्री अकसर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। एक बार फिर अपने बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर आचार्य धीरेंद्र शास्त्री का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह कहते नजर आ रहे हैं कि साईं संत हो सकते हैं, फकीर हो सकते हैं, लेकिन भगवान नहीं हो सकते।देखा जाय तो उनके बयानों से वे मीडिया की सुर्खिया तो बनते है पर उनके विरोधियों को उनकी आलोचना करने का पूरा मौका मिल जाता है क्योकि इसके पहले भी उनके कई विवादित बयान लगातार आते ही रहते है । बागेश्वर बाबा के विवादित बयान जिनने मचाया देश में बवाल की लम्बी लिस्ट है :-

1, हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा था। इसमें एक भक्त बाबा के पास रोते हुए पहुंचता है और उनका पैर छूने की कोशिश करता है। लेकिन बाबा ने ये कहते हुए भक्त को वापस भेज दिया की, "हमें छूना मत अछूत आदमी!, बस मुझे छूना मत"। इस वीडियो के वायरल होने के बाद लोगों ने जमकर उनकी आलोचना की थी। हालांकि बाबा ने इस वीडियो पर सफाई देते हुए कहा था , "हम बाबाजी का मुगदर (गदा) लिए होते हैं तो हम छुआछूत से बचते हैं। बहुत से लोग मदिरापान करके या प्याज लहसुन वगैरह खाकर आते हैं। हम सब में राम देखते हैं तो फिर हम राम जी से प्रणाम कैसे करवाएं? हम उस दरबार से उठे हैं, जहाँ न कोई छोटा है और न कोई बड़ा।"2, 16 अप्रैल 2022, हनुमान जयंती के दिन हिंदू और मुसलमानों के बीच भड़की हिंसा पर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण ने कहा था की, "अगर तुम (हिंदुओं) अभी नहीं जागे तो ये (मुस्लिम) तुम्हें अपने गांव से भी भगा देंगे। इसलिए निवेदन है कि सभी एक हो जाओ और पत्थर फेंकने वालों के घर पर बुलडोजर चलवा दो। सरकार कब तक बुलडोजर चलवाएगी। 3. बाबा बागेश्वर ने ये भी कहा था कि 33 करोड़ देवी देवता हैं तो चांद को पूजने की क्या जरूरत? उनके इस बयान पर भी लोग काफी भड़क गए थे। वहीं एक और बयान में उन्होंने कहा था, 'सरकार कब तक गिराएगी बुल्डोजर से हिंदुओं को गिराना होगा।

ढूँढ़ते रह जाओगे

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक प्रोफेसर साहब कुछ ढूँढ़ने की कोशिश कर रहे थे। तभी उनका छात्र आया और उसने कहा - सर जी बड़ी देर से आप क्या ढूँढ़ रहे हैं? कहें तो आपकी मदद कर दूँ? बिना स्वार्थ के बेटा बाप तक को नहीं पूछता है ऐसे में कोई सामने से आकर सहायता के लिए हाथ बटाए तो किसे अच्छा नहीं लगता। सहायता की पेशकश करने वाले छात्र की बातें सुनकर प्रोफेसर साहब की आँखें चमक उठीं। उन्हें लगा कि कोलंबस और वास्कोडिगामा जैसे लोग अभी मरे नहीं हैं। अभी भी लोगों में ढूँढ़ने की थोड़ी-बहुत इच्छाशक्ति बची हुई है। प्रोफेसर साहब इससे पहले कुछ बोलते कि वे ठिठक कर रह गए। उन्होंने कहा झ्र शायद यह काम तुमसे न हो पाएगा। तुम रहने ही दो। अब भला कोई किसी के अहं पर चोट कर दे और सामने वाला चुप रह जाए यह इंसानी प्रवृत्ति का परिहास नहीं तो और क्या है। छात्र बोला झ्र सर जी आपको मेरी सहायता नहीं लेनी हो तो कोई बात नहीं, लेकिन मुझसे न हो पाएगा जैसी बातें मत करें। प्रोफेसर साहब को लगा जब छात्र इतना कह रहा है तो उसे भी ढूँढने का अवसर देना चाहिए। उन्होंने कहा झ्र मैं जनसागर में डूब गए इंसान की खोज में लगा हूँ जिसके गायब हो जाने से धरती एकदम सूनी सी लग रही है। वह मुर्गीपालन केंद्र में मुर्गियों की तरह कांक्रीट के बड़े-बड़े भवनों में कहीं छिपकर बैठा है। कांक्रीट के भवनों की छाया से आसपास में कुकुरमुत्तों की तरह उभर आयी झोपड़ियों के इंसान भी गायब-गायब हैं। कोई इंसान कैब ड्राइवर बन फरार है, तो कोई कूरियर ब्वाय धरती को थैले में भरकर अडम स्मिथ के इच्छा अनंत कथनानुपालकों तक पहुँचाने में दौड़े जा रहा है। इंसान अब हर काम उंगलियों पर कर लेता है। इसीलिए अगुलीमालों की संख्या बढ़ती जा रही है। शहर की चकाचौंध में मजदूरों की खोई मेहनत को ढूँढ़ रहा हूँ। मैं ढूँढ़ रहा हूँ भूगोल की पुस्तकों में खेती करने वाले किसानों की मेहनत को। मैं ढूँढ़ रहा हूँ उस जमीन को जिसे चंद मतलबी बादलों ने ढक दिया है। मैं नेताओं के टोलमटोल बातों में फंसकर एक-दूसरे का गला काटने वाले इंसानों की मारी गयी मति को ढूँढ़ रहा हूँ। उदासी के कोने में सिसिया रही मूकता तो शब्दों के होते हुए भी लिपि हीन बनकर रह गए निशब्दों को ढूँढ़ रहा हूँ।

न्यूज फ्लैश

बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतें आज सुनी जाएगी

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार) बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण करने के लिए उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम अम्बाला शहर के अधीक्षक अभियंता यूएचबीवीएन कार्यालय नारायणगढ रोड प्रात: 11 से दोपहर 1 बजे तक बैठक का आयोजन किया जाएगा। अध्यक्षता उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम यूएचबीवीएन कुरूक्षेत्र के अध्यक्ष राकेश कुमार खन्ना करेंगे। सभी शिकायतों का मौके पर निपटान किया जाएगा।

मरणोपरांत शहर दुर्गा नगर के ललित धमीजा ने नेत्रदान कर दिखाई मानवता

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार) जाते-जाते दे गए दो लोगों को नई जिंदगी दुर्गा नगर अंबाला शहर के रहने वाले ललित मोहन धमीजा पुत्र स्व. श्री कुलदीप दर्शन धमीजा जी जाते जाते दो लोगों को नई जिंदगी दे गए। उनकी आंखें समाजसेवी सतनाम नागपाल जी द्वारा माधव नेत्र बैंक को दान में दी गई जिससे दो लोगों को रोशनी मिलेगी और नई जिंदगी मिलेगी प्रसिद्ध समाजसेवी सतनाम नागपाल जी ने बताया की दो चुटकी राख या दो बंधुओं को आंख यह फैसला आपका है आंखें जिन दो लोगों को लगाई जाती हैं उन दोनों को नई जिंदगी मिलती हैउनकी उनकी माता हरीश धमीजा जी ,बहन ज्योति बत्रा , रेनू गांधी, कंचन जुनेजा, सीमा मनोचा, भाई प्रदीप जी ने बताया कि जहां ललित मोहन धमीजा के जाने की कमी महसूस हो रही है वह दुख हो रहा है कि ललित मोहन धमीजा को हम बचा नहीं पाए लेकिन उनकी आंखों को बचा लिया है समाजसेवी सतनाम नागपाल हर समय 24 घंटे समाज सेवा में जुड़े रहते हैं सतनाम नागपाल जी ने जीते जी अपने ऑर्गन डोनेशन बॉडी डोनेशन और आई डोनेशन के फार्म पीजीआई को भरकर दे रखे हैं क्योंकि मरने के बाद इस इस शरीर को मिट्टी हो जाना है अगर जो कोई मरने उपरांत भी ऑर्गन डोनेशन बॉडी डोनेशन या आई डोनेशन करना चाहता चाहते हैं तो उसके लिए फॉर्म भर सकता है उनके नंबर 9416955732 पर संपर्क कर सकते हैं

जंडली में माता के मंदिर से इनवर्टर बैटरी व नकदी चोरी

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार) अम्बाला में चोरों का कहर तेजी से बढ़ता जा रहा है। बीती रात चोरों ने अम्बाला शहर के माता के मंदिर जंडली से हजारों रूपए मूल्य की इन्वरटर बैटरी व कुछ नकदी चोरी कर ली। शहर के सेक्टर 9 थाना में दी शिकायत में हिमांशु, जस्सी, बलविंद्र सिंह, वीर सिंह ने कहा है कि वह माता के मंदिर में सेवादार है। रात को वह मंदिर बंद कर ताला लगाकर गए थे। लेकिन सुबह जब आए तो देखा इन्वरटर बैटरी व नकदी गायब थी। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सफाई कर्मचारियों की भूख हड़ताल खत्म

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार) पिछले कई दिनों से अपनी मांगो को लेकर भूख हड़ताल कर रहे कर्मचारियों को सरकार ने बातचीत के लिए कल 5 अप्रैल को बुलाया है। चंडीगढ में शिष्ट मंडल के साथ स्थानीय निकाय मंत्री कमल कुमार गुप्ता से बातचीत होगी। जिसमें नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष नरेश कुमार शास्त्री, प्रदेश उपाध्यक्ष सेवा राम सहित लगभग 11 लोग शामिल होंगे।

वोगस्टार ब्यूटी पेजेंट कम फैशन शो: शिवानी सवारेंगी और वैशाली और रूबल तैयार करेंगी पोशाकें

चंडीगढ़। वोगस्टार, महिलाओं के लिए महिलाओं द्वारा एक समावेशी मंच है जहाँ उनकी विशिष्ट पहचान बनाई जाती है; जयपुर में अखिल भारतीय फैशन वीक कम ब्यूटी पेजेंट का आयोजन कर रहा है। पंजाब की शिवानी डावर अपने मेकअप कौशल से प्रतियोगियों की सुंदरता बढ़ाएगी जबकि वैशाली आर कपूर और रुबल ग्रेवाल वोगस्टार ब्यूटी पेजेंट कम फैशन शो 2023 के लिए नए जमाने के परिधान तैयार करने के लिए दिन-रात काम कर रहीं हैं। 14 से 16 अप्रैल 2023 को ले मेरिडियन होटल में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम विविधता में एकता के बारे में एक संदेश फैलाने के लिए तैयार है। फैशन और सौंदर्य के आगामी भव्य आयोजन के प्रतियोगी 20 उभरते फैशन डिजाइनरों द्वारा बनाई गई उत्कृष्ट कृतियों को डिजाइन करेंगे और देश भर के 10 मेकअप कलाकारों द्वारा तैयार किए जाएंगे। प्रतिभागियों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए पंजाब से शिवानी डावर का चयन किया गया। जिग्यासा जॉली इस कार्यक्रम की राष्ट्रीय फैशन डिजाइनर हैं, जो ग्रैंड फिनाले में अपने ब्रांड मोडोकाल्डो का प्रदर्शन भी करेंगी। अन्य डिजाइनरों में पंजाब से रूबल ग्रेवाल और वैशाली आर कपूर हैं। ग्रैंड फैशन वीक कम ब्यूटी पेजेंट की अवधारणा के बारे में बात करते हुए, वोगस्टार की संस्थापक कीर्ति चौधरी ने कहा, मैं हमेशा ब्यूटी पेजेंट इंडस्ट्री के मौजूदा मानदंडों को चुनौती देना चाहती थी, जो मेरी राय में आउटडेटेड और पार्शियल हैं। इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए इंडस्ट्री हमेशा एक निश्चित आकार, रंग या आकार के रूढ़िवादिता से जुड़ा रहा है। यह वह समय है जब हम महिलाओं की सराहना करना शुरू करते हैं कि वे कौन हैं न कि उनकी शारीरिक विशेषताओं के लिए। मेरा उद्देश्य लोगों को यह एहसास कराना है कि हर महिला सुन्दर है। दो श्रेणियों में विभाजित इस प्रतियोगिता में मिस वोगस्टार इंडिया और मिसेज वोगस्टार इंडिया के तहत तीन नेशनल विजेताओं को ताज पहनाया जाएगा। मिसेज वोगस्टार इंडिया को आगे दो समूहों में वगीर्कृत किया गया है, जहां समूह में 18-35 आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं के लिए होगा जबकि समूह 2 उन महिलाओं के लिए होगा।

पीकेआर जैन कॉलेज में मनाई महावीर जयंती

महावीर स्वामी के जीवन और उनकी शिक्षाओं के ऊपर एक वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/ अम्बाला (मनीष कुमार) पी.के.आर. जैन (पी.जी.) कॉलेज ऑफ एजुकेशन में भगवान महावीर जयंती के अवसर पर भगवान महावीर स्वामी के जीवन और उनकी शिक्षाओं के ऊपर एक वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन गतिविधि प्रभारी डॉ. अपनप्रीत जस्सर द्वारा करवाया गया। जिसमें बी.एड. व एम.एड. के छात्राध्यापक - छात्राध्यापिकाओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस प्रतियोगिता को डिजिटल प्रारूप से आयोजित करने का उद्देश्य एनईपी द्वारा अनुशंसित मौजूदा डिजिटल प्लेटफार्म और चल रहे आईसीटी-आधारित शैक्षिक पहलुओं के अनुकूलन और विस्तार के लिए वर्तमान जरूरतों और भविष्य की चुनौतियों को

पूरा करना था। कार्यक्रम का शुभारम्भ पवित्र नवकार मंत्र का उच्चारण कर किया गया। तत्पश्चात भगवान महावीर स्वामी जी के चरणों में पुष्प अर्पण व सरस्वती माता के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर उनकी वंदना की गई। छात्रों ने अपनी वीडियोज के

8 मानव जाति को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले भगवान महावीर स्वामी जी का जीवन स्वयं ही उनका संदेश है

माध्यम से महावीर स्वामी के जीवन व उनकी शिक्षाओं को बखूबी दशार्या। निर्णायक मंडल की भूमिका सहायक प्रो. डॉ. पूनम साहनी व रेनू चन्द्र ने निभाई। उन्होंने निष्पक्ष निर्णय देते हुए निष्ठा (1203) व शिवानी (1502) को प्रथम, रूपाली (1340), महिमा (1211) व हरप्रीत (1221) को द्वितीय, कंचन (1446) व कृति (1397) को तृतीय स्थान तथा टविंकल (1446) व खुशबू (1416) को सांत्वना पुरस्कार दिया। इस अवसर पर कॉलेज प्रबन्धक समिति के प्रधान धर्मपाल जैन , सचिव संजीव जैन , सह-सचिव आशीष जैन , कैशियर पंकज जैन , कॉलेज कन्वीनर दीपक जैन व पुनीत जैन ने संयुक्त वक्तव्य में महावीर जयंती पर्व की शुभकामनाएं दी। और कहा कि महावीर स्वामी जी ने अहिंसा को जैन धर्म का आधार बनाया। उन्होंने जियो और जीने दो के सिद्धान्त पर जोर दिया। सबको एक समान नजर में देखने वाले भगवान महावीर अहिंसा और अपरिग्रह के साक्षात मूर्ति थे। कॉलेज प्राचार्या डा. मुदिता भटनागर एवं उप-प्राचार्या डॉ. मिनी सपरा जी ने महावीर जयंती की बधाई देते हुए कहा कि मानव जाति को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले भगवान महावीर स्वामी जी का जीवन स्वयं ही उनका संदेश है।

रमजान पाक महीने में गरीबों की मदद करना ही सबसे बड़ी नेकी: राफिया

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत महिला एक्टिविस्ट एवं शिक्षिका राफिया खान ने कहा कि रमजान के पवित्र महीने की भाई बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रमजान का महीना रहमतों का महीना है। उन्होंने कहा कि पूरे महीने खुदा के रहमतों की बारिश होती है। खुदा की नजर में रोजेदारों की दुआएं मकबूल होती है। खुदा उनकी इबादत को कबूल करते हैं और उसके बदले तमाम आलम-ए इंसान पर रहमतों की बारिश फरमाते हैं। उन्होंने कहा कि रमजान के पाक म हीने में अपने आसपास के गरीब लोगों का खास तौर पर ख्याल रखें और उनकी हर जरूरत में उनका साथ दें। उन्होंने कहा कि हर गरीब की मदद करना ही इंसानियत है।उन्होंने कहा की रमजान के महीने में गरीब को

कपड़ा पहनाना भूखे को खाना खिलाना बहुत बड़ा सवाब है। जो व्यक्ति किसी की जरूरत को दुनिया मे पूरी करेगा, अल्लाह उसको ऐसे वक़्त में जन्नत में ठिकाना देगा। आओ इस मुबारक महीने में अपने गुनाहों की तौबा कर ले ओर अल्हा-रसूल के बताए गए रास्ते पर चले।

वार्ड 4 में विकास कार्य में कोई कमी नहीं होगी: बबीता त्रिभुवन कौशिक

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
नगर निगम सोनीपत के वार्ड 4 की निगम पार्षद बबीता त्रिभुवन कौशिक ने गांधी आवास सेक्टर 12 में हो रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया । निगम पार्षद बबीता तेरी बोल कौशिक ने कहा कि गांधी आवास की गलियों में व पेंच का निर्माण कार्य लगभग 18 लाख की लागत से करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वार्ड 4 में विकास कार्यों की कोई भी कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कार्य करे ठेकेदार को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाली सामग्री में किसी प्रकार की कोताही ना हो। निगम पार्षद बबीता त्रिभुवन कौशिक ने वार्ड 4 के निवासियों से अपील की कि अगर उन्हें निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की कोई भी कोताही नजर आए तो वह उनके संज्ञान में लाएं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में वार्ड 4 में कोई भी सड़क व गली अधूरी नहीं होगी। इस मौके पर भाजपा नेता त्रिभुवन कौशिक भी मौजूद रहे।

25.8 ग्राम हेरोइन सहित घास मंडी का हन्नी काबू

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला छावनी (मनीष कुमार) अंबाला कैंट में पुलिस ने ड्रग्स के साथ एक तस्कर को काबू किया है। आरोपी दिल्ली से हेरोइन खरीद अंबाला सिटी जा रहा था। पुलिस ने गुप्त सूचना पर आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 25.08 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। आरोपी की पहचान हन्नी भंडारी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक टीम अंबाला कैंट के स्वास्तिक चौक के पास गश्त पर तैनात थी। इसी बीच, गुप्त सूचना मिली कि दो खंबा चौक घास मंडी अंबाला सिटी निवासी हन्नी भंडारी हेरोइन बेचने का धंधा करता है। आरोपी आज भी दिल्ली से हेरोइन लेकर बस से अंबाला कैंट पहुंचेगा और यहां से ऑटो में बैठकर सिटी जाएगा। पुलिस सूचना के आधार पर बस स्टैंड के गेट पर ही तैनात हो गई।

जजपा ने मनाया डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला का जन्मदिन

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत
उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का जन्मदिन जजपा पानीपत ईकाई द्वारा हल्का प्रधान धर्मबीर राठी गांजबड के पार्टी आफि स में फल व लड्डू बांट कर बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जिला प्रधान सुरेश काला, संगठन सचिव देवेंद्र कादियान, हल्का प्रधान धर्मबीर राठी गांजबड, हल्का प्रधान सुरेन्द्र धोला, हल्का प्रधान बिजेन्द्र करहंस, दयानंद उरलाना, जयदेव नौल्था, टीपू पोडीया, महाबीर चंदोली, हल्का प्रधान सोहन लाल बठला, तेजा मलिक, आजाद सिवाह, शक्ती निंबरी, लेखराज खट्टर, सुभाष धीमान, सुमन नरवाल, लालचंद बिंझोल, लहणा सिंह, राजपाल फौजी व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की लम्बी उम्र व हमेशा स्वस्थ्य रहने की कामना भगवान से की गई।

राजस्थान के डॉक्टरों के समर्थन में आए अंबाला के प्राइवेट डॉक्टर

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला छावनी (मनीष कुमार) राजस्थान में 'राइट टू हेल्थ' बिल के विरोध में डॉक्टरों ने मोर्चा खोला हुआ है। राजस्थान के डॉक्टरों को अब हरियाणा के निजी अस्पतालों के डॉक्टरों का भी समर्थन मिल गया है। आईएमए के आह्वान पर अंबाला में भी डॉक्टर ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं ठप करके 24 घंटे के लिए हड़ताल पर चले गए हैं। अंबाला से आईएमए के पदाधिकारियों का कहना है कि राजस्थान में जो राइट टू हेल्थ बिल लागू हो रहा है, सभी डॉक्टर उसके विरोध में हैं। इससे डॉक्टर ही नहीं मरीजों को भी काफी नुकसान होगा। अगर सरकार ने उनकी मांग नहीं मानी तो विरोध राष्ट्रीय स्तर पर होगा।

अंबाला कैंट और सिटी में अलग-अलग हड़ताल का असर देखने को मिला। सिटी में जहां डॉक्टरों ने काली पट्टी बांध स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रखीं। वहीं, छावनी में सभी अस्पतालों के बाहर नोटिस चस्पा किए गए। प्राइवेट अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने के कारण मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

आईएमए के आह्वान पर कैंट में निजी अस्पताल कल सुबह 6 बजे

8 आईएमए के आह्वान पर अंबाला में भी डॉक्टर ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं ठप करके 24 घंटे के लिए हड़ताल पर चले गए हैं

तक बंद रहेंगे। इस दौरान ओपीडीसे लेकर इमरजेंसी सुविधाएं भी बंद रखी जाएंगी। बता दें कि हड़ताल के चलते कई मरीजों को बिना उपचार वापस लौटना पड़ा। उधर, प्राइवेट अस्पताल बंद होने के कारण सिविल अस्पतालों की इमरजेंसी में मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई। लेकिन दोपहर बाद यह हड़ताल समाप्त हो गई। बिस्तरों से कम वाले निजी मल्टी स्पेशियलिटी अस्पतालों को आरटीएच से बाहर कर दिया है।

कैलाश नगर की सोनाक्षी से ठगे 3.46 लाख

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार) अंबाला में घर बैठे काम देने के नाम पर महिला से 3.46 लाख रुपए हड़प लिए। खुद के साथ हुए फ्रॉड का पता चलने पर महिला ने 4 माह बाद साइबर थाना पुलिस को शिकायत सौंपी है। अंबाला शहर के कैलाश नगर निवासी सोनाक्षी ने बताया कि दिसंबर 2022 में उसके पास एक कॉल आई, जिसने कहा कि वे घर बैठे काम देंगे। उसे कहा गया कि जॉइनिंग कार्ड के लिए 620 रुपए का भुगतान करना होगा। उसने ऑनलाइन भुगतान किया। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसके बाद शातिर ठग ने सिक्योरिटी सर्विस चार्ज के नाम से कई बार में 3 लाख 46 हजार 219 रुपए हड़प लिए। वह दिसंबर से अब तक अपने स्तर पर पैसे वापस लेने के लिए प्रयास करती रही, लेकिन शातिर ठग उसकी रकम नहीं दी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गोलिबाज: बुर्राह का लेटेस्ट सिंगल, जो ट्रेडिशनल फ्रेंडशिप सॉन्ग को रीडिफाइन करता है

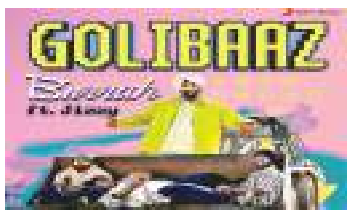

नई दिल्ली। क्या आप अपने पगले लेकिन प्यारे दोस्तों को डेडीकेट करने के लिए सही गीत की तलाश में हैं जो झूठे वादे करने में उस्ताद हैं? तो, हमारे पास है सिर्फ आपके लिए एकदम सही वाला ट्रैक! 'उड़जा' में अपनी यूनिक स्टाइल के साथ म्यूजिक इंडस्ट्री में एक लहर की तरह आने और तूफान की तरह छा जाने वाले, कोक स्टूडियो इंडिया में दमदार शुरूआत करने वाले बुर्राह ने सोनी म्यूजिक के साथ अपना लेटेस्ट सॉन्ग 'गोलीबाज' लॉन्च किया है। यह ट्रैक लॉयल्टी और डिवोशन का खुलकर ऐलान करने वाली एक ह्लरियलिस्टिक फ्रेंडशिप एंथमह्व है, जिसका अंत हमेशा हमारे फ्रेंड्स के द्वारा हमें और हमारे प्लान्स को 'गोली' देने के साथ होता है। शोकिड द्वारा निर्मित और बुर्राह द्वारा कंपोज्ड इस ट्रैक में आवाजें दी हैं बुर्राह और जिजी ने। बुर्राह, चारबिस और जिजी द्वारा लिखित, 'गोलीबाज' दोस्ती का एक खरा-खरा और मजेदार चित्र प्रस्तुत करता है और यह भी बताता है कि यार ही कैसे हमारे प्यार का फायदा उठाते हैं। फिर भी, गाना एकदम हल्के -फुल्के अंदाज में दोस्तों के साथ बनने वाले स्ट्रांग सपोर्ट सिस्टम को हाइलाइट भी करता है। कैची बीट्स और प्लेफुल लिरिक्स गाने को पूरी तरह से कॉम्प्लीमेंट करते हैं, यह उन सभी को जरूर सुनना चाहिए जिनके आखरी घड़ी में पर प्लान की वाट लगाने वाले दोस्त हैं।गोलीबाज के पीछे की प्रेरणा के बारे में बोलते हुए बुर्राह कहते हैं, "मैं एक ऐसा गाना बनाना चाहता था जो दोस्ती की सच्चाई को दिखाता है, दोस्तियाँ जो कई बार अनप्रेडिक्टेबल और इनकंसिस्टंट होती है।

खरड़ में ट्रेंड्स ने खोला अपना स्टोर

टीम एक्शन इंडिया/खरड़ (मोहाली)
देश की सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती एपेरल और एक्सेसरीज की रिलायंस रिटेल की स्पैशलिटी चैन - ट्रेंड्स ने मोहाली जिले के खरड़ में अपना स्टोर

खोला है। कंपनी ने देश में मेट्रो, मिनी मेट्रो, टियर 1 और 2 शहरों तथा छोटे छोटे कस्बों में ग्राहकों तक अपनी पहुंच और संपर्क मजबूत कर फैशन को घर घर पहुंचाने का प्रयास किया जबकि ट्रेंड्स भारत का मनपंसद फैशन स्थल है। नया खुला यह स्टोर आधुनिक शैला से बनाया गया है और यहां फैशन का सामान किफायती दरों पर उपलब्ध है। 4753 स्केयर फीट में फैला यह स्टोर खरड़ के अपने ग्राहकों को लांच के तहत बेहतरीन फैशन और जबरदस्त कीमतों पर सामान विशेष आफर के माध्यम से प्रदान करवा रहा है।

लेक्चरर एसो. के चुनाव की रूप रेखा तैयार

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत
आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल पानीपत में आज लेक्चरर वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा की आगामी जिला प्रधान के चुनाव और राज्य स्तरीय कार्यकारिणी के चुनाव बारे एक महत्वपूर्ण राज्यस्तरीय सभा बुलाई गई। सभा की अध्यक्षता संरक्षक रामफल सहरावत ने की। सभा में लेक्चरर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा पिछले 3 सालों में लेक्चरर हित में किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। राज्य प्रधान रविंद्र डिकाडला व वर्तमान चेयरमैन अनिल अहलावत ने एसोसिएशन की अनुशासन प्रियता और एकता पर विस्तार से चर्चा करी। राज्य

कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य सुरेश सैनी, सुनील नेहरा, महावीर गहलावत, बंसीलाल गुर्जर और संतोष ने आगामी दिनों में संगठन के गठन और चुनाव बारे बताया। जिला स्तरीय चुनाव के लिए बताया गया कि चुनाव केवल प्रधान पद के लिए होगा और निर्वाचित प्रधान अपनी कार्यकारिणी अपने विवेक से स्वयं बनाएगा। सभी जिला लेवल पर चुनाव करवाने के लिए राज्य कार्यकारिणी के सदस्य और पूर्व जिला प्रधानों की भी बतौर रिटर्निंग ऑफिसर ड्यूटी लगाई गई। जिसमें कैथल में सुरेश सैनी, विक्रम बेनीवाल,डॉ.जितेंद्र समुंदर मोर, यमुनानगर में रविंद्र पंवार, लखमीर सिंह, कृष्ण दत्त और यश वर्धन, हिसार में बंसी लाल गुर्जर, सतीश बडगुर्जर और हितेश ग्रेवाल, नूह में उदय वीर सिंह, जगमोहन रावत, केहरी सिंह, पानीपत में सुरेश सैनी, विक्रम बेनीवाल, समंदर मोहर 23 अप्रैल को, पंचकूला में डॉ. देशराज, अनिल नैन, लखबीर सिंह, बलजीत सिंह, कुरुक्षेत्र में ईशम सिंह, विनोद प्रकाश, अरुण कुमार, पलवल में रामफल सहरावत ,डॉ.रविंद्र डिकाडला, महावीर गहलावत, सिरसा में सुरेश गोस्वामी, राजकुमार सुरा, महेंद्र विश्नोई और बंशीलाल गुर्जर 30 अप्रैल को, करनाल में अनिल नैन, बलजीत सिंह, नीकेंद्र, डॉ. सत्येंद्र, फरीदाबाद में उदय वीर सिंह, जगमोहन मौजूद रहे।

गन्ने की ट्रालियों के तोल को लेकर अब नहीं होगा पानीपत व दूसरे जिलों के किसानों में टकराव

भाकियू जिला कार्यकारिणी की मांग पर मिल प्रबंधन ने तोल को लेकर तय किया गया समय

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत
भारतीय किसान यूनियन के जिला प्रधान सोनू मालपुरिया ने कहा कि पिछले कई दिनों से शुगर मिल में गन्ने की ट्रालियों के तोल को लेकर पानीपत व दूसरे जिलों के किसानों में आपस में टकराव व झगड़े हो रहे थे। जिला पानीपत के किसान अपनी गन्ने की ट्राली का पहले तोल करने की मांग करते थे जबकि दूसरे जिलों से पानीपत मिल में गन्ना लेकर आने वाले किसान पहले तोलने को कहते थे और इसी के चलते पानीपत व दूसरे जिला के किसानों में आपस में झगड़े हो रहे थे। इसलिये उन्होंने शुगर मिल के एमडी नवदीप सिंह नैन ने मिलकर इस समस्या का समाधान करवा दिया है। पानीपत के

गांव डाहर शुगर मिल में अब सुबह 6 बजे से लेकर रात 10 बजे तक तो पानीपत जिला के किसानों की ट्रालियों का तोल होगा और दूसरे जिलों से आने वाले किसानों के गन्ने का तोल रात को 10 बजे से लेकर शुबह 6 बजे तक होगा। इसके लिये किसानों के गन्ने की ट्रालियों की दो अलग-अलग लेन बनाई जाएगी। सोनू मालपुरिया मंगलवार को किसान भवन में किसानों से बातचीत कर रहे थे। वहीं सोनू मालपुरिया ने कहा कि

8 गांव डाहर शुगर मिल में अब सुबह 6 बजे से लेकर रात 10 बजे तक तो पानीपत जिला के किसानों की ट्रालियों का तोल होगा

पानीपत जिला के सैकड़ों किसानों की उत्तराखंड के इकबालपुर शुगर मिल की तरफ गन्ने की जो करोड़ों की पेमेंट बकाया है, उसमें से वहां के शुगर मिल प्रबंधन ने अभी यहां के 29 किसानों की 34 लाख रूपए की पेमेंट किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर करवाई है। इस मौके पर विरेंद्र समालखा प्रधान, कामरेड भीम सिंह, बलवान, हरी सिंह डाहर, रामकिशन आर्य, जय सिंह आदि मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन योजना में अंबाला प्रदेश भर में रहा प्रथम: के के गिल

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला छावनी (मनीष कुमार)
जल जीवन मिशन योजना के तहत जिला अम्बाला में ग्रामीण क्षेत्रों में 100 प्रतिशत घरेलू पेयजल कनैक्शन उपलब्ध करवाने के दृष्टिगत फाईव स्टार के साथ जिला अम्बाला हरियाण राज्य स्तरपर प्रथम स्थान पर रहा है। जिला अम्बाला में ग्रामीण क्षेत्र में शत-प्रतिशत घरेलू पेयजल कनैक्शन उपलब्ध करवाने के तहत प्रथम स्थान हासिल किया हैं। जनस्वास्थ्य विभाग के अधीक्षक अभियंता के.के. गिल ने बताया कि राज्यों और जिलों के बीच स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा का वातावरण सृजित करना, पुरूस्कार प्राप्त करने के लिए जिलों की प्रेरणा / आकांशा का लाभ उठाएं , प्रमुख संकेतकों पर ध्यान करने के लिए वृद्धिशील सुधार की निगरानी करे तथा जल जीवन मिशन के तहत तेजी से कार्यान्वयन के लिए जागरुकता पैदा करें जल जीवन सर्वेक्षण के लिए दृष्टिकोण के तहत जिलों की कवरेज के आधार पर रैंकिंग प्रगति के लिए बेसलाइन की तारीख 1 अक्टुबर है जिसमे 100% कवरेज/ एचजीजे जिले - फ्रंट रनर्स,75-100% कवरेज - हाई अचीवर्स , 50-75% कवरेज अचीवर्स, 25-50% कवरेज परफॉर्मर, 0-25% कवरेज आकांक्षी हैं मासिक स्नातक में उच्च श्रेणियों में जिलों का मासिक उन्यन और इसके आधार पर पुरस्कार और मान्यता व स्नातक होने के बाद नई श्रेणी के मानदंड के अनुसार जिले का मूल्यांकन किया जाएगा त्रैमासिक रैंकिंग में रिपोर्ट किए गए आईएमआईएस डेटा के आधार पर तिमाही रैंकिंग का प्रकाशन किया जाएगा । वार्षिक प्रत्यक्ष अवलोकन में विभिन्न श्रेणियों में विभिन्न मापदंडों पर वार्षिक प्रत्यक्ष अवलोकन / कार्यक्षमता मूल्यांकन किया गया।

हेल्थ प्लस

टीथ सैंसिटिविटी

कुछ लोगों के दांतों में ठंडा-गर्म लगता रहता है यानी कुछ भी ठंडा या गर्म खाने पर उनके दांतों में दर्द होने लगता है। ये लोग टीथ सैंसिटिविटी यानी दांतों की संवेदनशीलता की समस्या से ग्रस्त होते हैं।

दांतों की यह समस्या किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकती है। हालांकि उम्र के 20वें तथा 30वें दशक के लोग इस समस्या का अधिक सामना करते हैं। वैसे इस समस्या का आसानी से उपचार किया जा सकता है।

क्या है टीथ सैंसिटिविटी?

इसमें गर्म या ठंडे पेय अथवा भोजन से दांतों में कुछ देर की हल्की-सी सनसनाहट से लेकर घंटों तक रहने वाला दर्द हो सकता है। यह समस्या एक या एक से अधिक दांतों में हो सकती है जो ठंडे, गर्म के अलावा मीठी या खट्टी चीजों या ठंडी हवा में सांस लेने से भी हो सकती है। यह दर्द तेज तथा अचानक हो सकता है जो दांतों की नर्व्स पर असर करता है।

दांतों पर मौजूद मध्य परत यानी डैंटिन के उजागर हो जाने पर टीथ सैंसिटिविटी की समस्या होती है। आमतौर पर दांतों पर चढ़ी एनेमल की परत डैंटिन को ढके रखती है। डैंटिन अनेक कारणों से उजागर हो सकती है।

प्रमुख कारण

इसके आम कारणों में प्लाक का दांतों पर जमना, माऊथवॉश का लम्बे समय तक प्रयोग, अम्लीय भोज्य पदार्थों या पेयों का सेवन, अक्सर डैंटल प्रोसीजर्स करवाना, दांतों को दूसरे दांतों या जीभ से छूते रहने की आदत अथवा अधिक मीठा खाना शामिल है।

कभी पुरानी हो चुकी फिलिंग में आ चुकी दरार या लीक भी टीथ सैंसिटिविटी का कारण बन सकती है।

इलाज न करवाई गई कैविटीज, दांतों की सड़न या दांतों में संक्रमण अथवा दांतों की स्वच्छता का ख्याल नहीं रखने से भी यह समस्या पेश आ सकती है।

अधिक जोर से ब्रश करना या सख्त बालों वाला टूथब्रश इस्तेमाल करने से भी। दांतों पर एनेमल की परत का क्षय हो सकता है। मसूढ़ों की सूजन से भी डैंटिन उजागर हो सकती है जिससे उस पर ठंडी-गर्म चीजें महसूस होने लगती हैं।

उपचार

टीथ सैंसिटिविटी की समस्या के उपचार हेतु आपको डैंटिस्ट के पास जाना चाहिए जो सैंसिटिविटी टैस्ट करके जांच करता है ताकि पता चल सके कि कैसे ट्रीटमैंट की जरूरत है।

डैंटिस्ट फ्लोराइड जैल अथवा फ्लोराइड तथा पोटाशियम नाइट्रेट या स्ट्रोंटियम क्लोराइड युक्त डीसैंसिटाइजिंग टूथपेस्ट के प्रयोग की सलाह भी दे सकते हैं। ये रसायन संवेदनशीलता को दांतों से नर्व्स तक पहुंचने से रोकते हैं।

ब्रश करने के बाद मसूढ़ों पर खास प्रकार का पेस्ट मलने से भी लाभ हो सकता है।

खास टिप्स

हमेशा सॉफ्ट ब्रिसल वाले टूथब्रश का ही प्रयोग करें क्योंकि यह दांतों के एनेमल पर अधिक दबाव नहीं डालता है।

अल्कोहल बेस्ड माऊथवॉश का प्रयोग न करें। ये दांतों को हानि पहुंचाते हैं।

कोल्ड ड्रिंक्स, मांस या मसालों से भरपूर अम्लीय भोज्य पदार्थों एवं पेयों का प्रयोग न करें।

फ्लोराइड बेस्ड टूथपेस्ट का प्रयोग करें क्योंकि ये सैंसिटिविटी को कम करते हैं।

समस्या होने पर आईसक्रीम तथा ठंडी कोल्ड ड्रिंक्स जैसी सैंसिटिविटी पैदा करने वाली चीजों से परहेज करें।

अपने डैंटिस्ट से दांतों की नियमित रूप से जांच करवाएं।

माहवारी पूर्व तनाव, लक्षण एवं उपचार

मासिक धर्म की स्थिति सभी नारियों के साथ अलग-अलग होती है। इस विविधता के अलावा इनमें मासिक धर्म के पूर्व तनाव एवं तकलीफ की स्थिति भी पृथक-पृथक होती है किन्तु अधिकतर नारियां उन दिनों से पहले अर्थात मासिक रक्तस्राव आरम्भ होने से पूर्व तनाव व तकलीफ से गुजरती हैं।

यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें महिलाओं को माहवारी शुरू होने के 5-6 दिन पहले से पेट के निचले व श्रोणि भाग में भारीपन, पूरे शरीर पर सूजन, अपचन, बार-बार पेशाब आना, स्तन में भारीपन और दर्द, मानसिक तनाव, उदासीनता, अति संवेदनशीलता आदि लक्षण होते हैं।

यह स्थिति शहरी जीवन बिताने वाली महिलाओं में ज्यादा पाई जाती है। इसका कारण अज्ञात है फिर भी निम्न कारणों की संभावना हो सकती है। यह मनोवैज्ञानिक, हार्मोंस की गड़बड़ी, विटामिन्स की कमी के कारण एवं उसके प्रभाव से उत्पन्न होती है। यह तकलीफ कई तरह की होती है जिसका उपचार भी अलहदा होता है।

माहवारी : भारत गर्म देश माना जाता है अतएव यहां की लड़कियों को 11 से 13 वर्ष की आयु में माहवारी आरम्भ हो जाती है। यह माहवारी उसकी स्त्रियोचित विशेषता है जो रजोदर्शन से लेकर रजोनिवृत्ति तक चलती रहती है।

माहवारी, मासिक धर्म के समय होने वाला रक्तस्राव सभी को अलग-अलग चक्र के अनुसार होता है। इसका अंतराल, रक्त की मात्रा, रक्तस्राव की अवधि सभी में पृथक होती है। सभी को माहवारी के समय एवं उसके पूर्व तनाव, तकलीफ एवं परेशानी की स्थिति से जूझना पड़ता है। मासिक धर्म के पूर्व तनाव को डाक्टरी शब्दों में प्री-मैंस्ट्रूअल सिंड्रोम(पी.एम.एस.) कहते हैं।

मूड में बदलाव : मूड में तेजी के साथ बदलाव होने पर तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा की शिकायत होती है। यह शरीर में ऑक्सीजन की कमी से होता है। अतएव गहरी सांस लें एवं छोड़ें। इससे कार्बन डाई-ऑक्साइड का स्तर कम होगा एवं शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ेगी। इस तरह की परेशानी से जूझ रही महिलाएं माहवारी के पूर्व कैफनी, चाकलेट व चीनी की मात्रा कम कर दें। हल्का व्यायाम करें।

अवसाद : पी.एम.एस. की अवसादग्रस्त महिला पर उदासी, अरूचि, अकेलापन हावी हो जाता है। उसका मन रोने को करता है। ऐसी महिलाएं माहवारी से पूर्व हल्का व्यायाम करना आरंभ कर दें जिससे हार्मोन का स्राव होता है जो दिमाग व शरीर को दुरूस्त रखता है। शर्करा स्तर सुधरता है। मूड में सुधार होता है। कॉफी, तली भूनी, मसालेदार चीजों से बचें। दही व फलियां खाएं।

गुस्सा : पी.एम.एस. से गुस्से की शिकार महिला की नींद अव्यवस्थित हो जाती है। कुछ खाने की तीव्र इच्छा होती है। इन्हें थोड़ा-थोड़ा करके 4-5 बार भोजन करना चाहिए जिसमें दाल व शक्कर की मात्रा कम हो। एक ही बार ज्यादा खाने से बचें।

पाचन की खराबी : माहवारी के पूर्व कई महिलाएं पेट की खराबी के कारण अपच, कब्ज, दस्त, थकान, उनींदेपन आदि की स्थिति से गुजरती हैं। ऐसी महिलाएं सुपाच्य भोजन करें। भरपूर पानी पिएं।

शरीर फूल जाना : माहवारी के पूर्व कई महिलाओं का शरीर फूल जाता है। स्तनों में कठोरता आ जाती है, पेड़ू, कमर, पीठ व सिर में दर्द होता है। इन्हें माहवारी से पूर्व नमक व ठंडी चीजें कम खानी चाहिएं।

निष्कर्ष : माहवारी के पूर्व तनाव, तकलीफ, परेशानी से अमूमन हर स्त्री को गुजरना पड़ता है लेकिन यदि यह आपके लिए असहनीय हो और दैनिक जीवन को प्रभावित करे, तब महिला रोग विशेषज्ञ से मिलकर सलाह लें। भोजन को सदैव हल्का, सुपाच्य, ताजा, पौष्टिक व सीमित रखें। श्रम जारी रखें।

डिलीरियम

डिलीरियम इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आपके मस्तिष्क के साथ कुछ गड़बड़ी है जो आपकी सोच-विचार की शक्ति को प्रभावित कर रही है। यह स्थिति बहुत गम्भीर हो सकती है।

आमतौर पर डिलीरियम उस स्थिति को कहा जाता है जिसमें व्यक्ति का मस्तिष्क सामान्य तौर पर काम न करना बंद करके अजीबोगरीब स्थिति में चला जाता है। इस स्थिति में दिमाग भ्रमित हो जाता है। तथा काम करने की ताकत खो देता है। वह अपनी याददाश्त पर भी जोर नहीं दे पाता है तथा उन्माद की स्थिति में चला जाता है।

इस स्थिति में व्यक्ति अपने आसपास के माहौल से खुद को कटा पाता है। इसके गम्भीर होने पर व्यक्ति के शरीर में कंपकंपाहट छूटने लग सकती है तथा उसे बिना बात क्रोध आने लगता है। व्यक्ति को मतिभ्रम भी हो सकता है जिससे वास्तविकता के साथ उसका सम्पर्क पूर्णतः टूट जाता है।

अनेक प्रकार की व्याधियां दिमाग को क्षतिग्रस्त करके डिलीरियम की स्थिति पैदा कर सकती हैं। इनमें दिमाग की ओर जाने वाली रक्तवाहिकाओं में रूकावट, उच्च रक्तचाप के कारण दिमाग में आने वाली सूजन, दिमाग में किसी प्रकार का संक्रमण, रक्त में रसायनों का असामान्य स्तर, शरीर में विषैले तत्वों का प्रवेश, दवाइयों के साइड इफैक्ट्स और मस्तिष्क को ऑक्सीजन की कमी आदि शामिल हैं।

डिलीरियम की स्थिति में पहुंचा व्यक्ति सोच-विचार करने में अक्षम हो जाता है। ऐसे में उसे चिकित्सा प्रदान करना कठिन हो सकता है। हो सकता है कि वह अपना उपचार करवाने हेतु जरा भी सहयोग न करे और इलाज की बात पर झगड़ने लगे।

यह गम्भीर स्थिति है जिसे आपात स्थिति के तौर पर लेते हुए तुरंत चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करनी चाहिए।

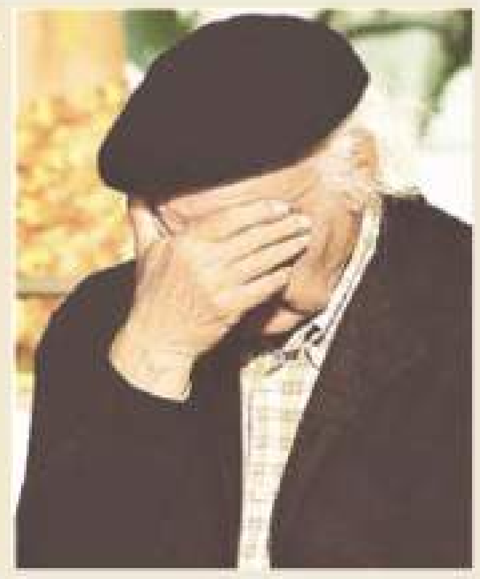

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उल्लेखनीय की शुरुआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपकी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगे। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कष्टकारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर को जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2036

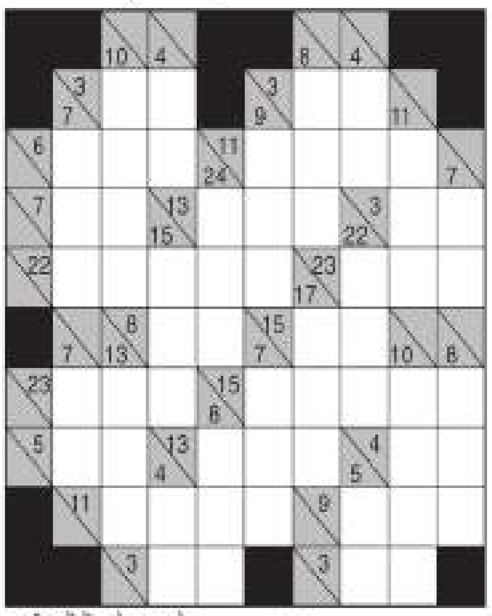

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

1 2 3 5

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2035 का हल

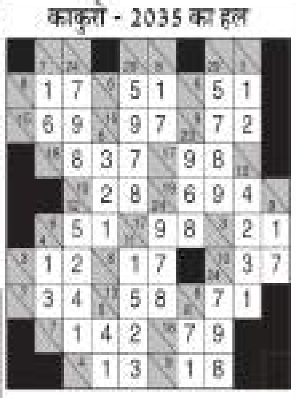

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधीश (एक बूढ़े चोर से)- तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने दिनदहाड़े चोरी की? तुम्हें पकड़े जाने जरा भी डर नहीं लगा।

कटघरे में खड़ा बूढ़ा चोर बोला- क्या करूँ सरकार! आजकल मुझे रात में बहुत नींद आती है, इसलिए मैंने दिन में दिनदहाड़े चोरी कर ली।

□ □ □

पुलिस इंस्पेक्टर (रमन से)- नालायक...! तुम इतने गिरे हुए हो कि केवल पाँच सौ रुपए के लिए इस बुजुर्ग व्यक्ति का सिर फोड़ दिया?

रमन हवलदार- और क्या करता साहब... मजबूरी है! ऐसे ही तो बूँद-बूँद से घड़ा भरता है हुजूर।

□ □ □

न्यूक्लियर फैमिली में रहने वाला चंपू अपने पिता से बोलता है, पापा- पापा मैं भी अपनी शादी में आइटम गर्ल को डाँस करवाऊँगा।

पापा- बेवकूफ, क्या बकता है, यह तमाशा किस गधे की शादी में देख लिया?

चंपू- आपकी शादी के वीडियो में।

पापा- अबे नालायक अपनी मौसी और बुआ को नहीं पहचानता!!

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2036

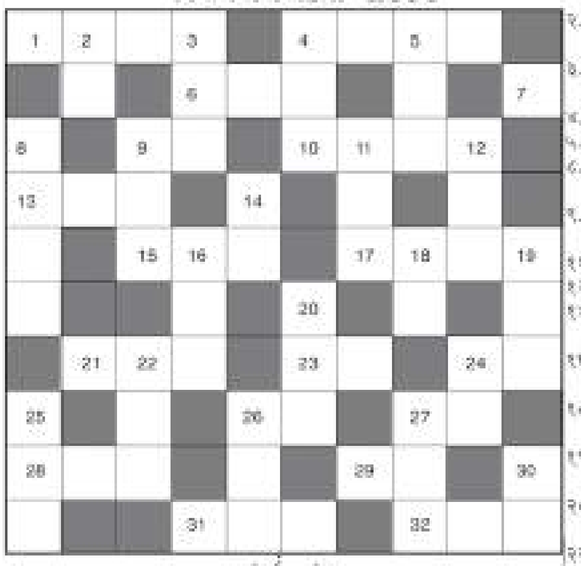

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कहीं थी बात' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-२
९. लकी अली, गौरी कर्णिक की 'खोया है तुझे जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. ऋतेश देशमुख, योगिता बाली की 'लो मैं प्यार लेती' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्हीं सनम हो' गीत वाली अखिल धवन, हया अहूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए की सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा था' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोनी अली की 'आ जा आजे जा' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७. शाहरुख, मोहनूर, ऐश्वर्या की 'मेरे ख्वाबों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'जैसे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं तेरा दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नखरे नखरे' गीत वाली सनी, बॉबी, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
६. संजयदत्त, गोविंदा, शिल्पा, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
७. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, ममता की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, प्रीतिमा डेंजली की फिल्म-२
१६. संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'ठक ठक ठक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदी जैसे प्यार को बातें' गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'पहेला का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अव्बास, अर्बाली मुखर्जी की फिल्म-२
२५. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज मेरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2035

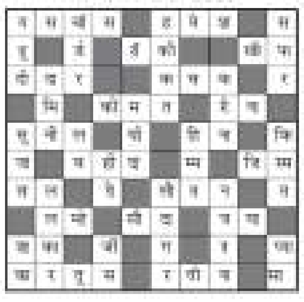

सूडोकु -2036

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रहे.
- पहेली में मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2035 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्द पहेली - 2036

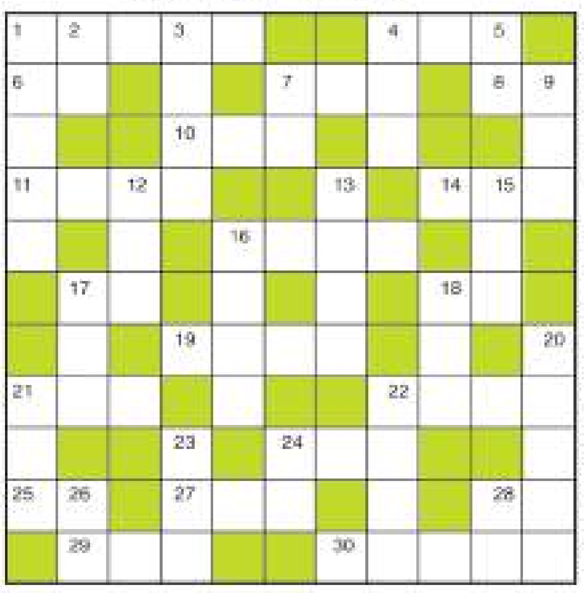

बाएँ से दाएँ

1.अखाड़ा,नागद्वार-5
4.कली-3
6.पताका,पंख-2
7.समूह-3
8.पिता की बहन-2
10.नौकरी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.भाषण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदीर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.सरदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-3

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवतः-3
22.लवेंडर, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली -2035 का हल

सीरी ए क्लब बायर लेवरकुसेन से जुड़े ब्राजीली डिफेंडर आर्थर

रियो डी जनेरियो। ब्राजील के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर आर्थर अमेरिका माइनिरो से बायर लेवरकुसेन में शामिल हो गए हैं, दोनों क्लबों ने उक्त जानकारी दी। अमेरिका माइनिरो के एक बयान के अनुसार, जून में होने वाले अंडर-20 विश्व कप के बाद तक 20 वर्षीय डिफेंडर आर्थर सीरी ए क्लब बायर लेवरकुसेन में रहेंगे। क्लब ने वित्तीय विवरण प्रदान किए बिना स्थानांतरण को क्लब के इतिहास का सबसे बड़ा डील बताया। स्थानीय मीडिया ने कहा कि बुंडेसलिगा क्लब आर्थर के लिए लगभग सात मिलियन यूरो का भुगतान करने पर सहमत हो गया है। लेवरकुसेन ने एक अलग बयान में कहा कि आर्थर का अनुबंध 30 जून, 2028 तक चलेगा। आर्थर ने पिछले महीने टैंजियर में मोरक्को के हाथों ब्राजील की 2-1 की दोस्ताना हार में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया था। वह उस ब्राजील टीम का हिस्सा थे जिसने फरवरी में कोलंबिया में अंडर-20 दक्षिण अमेरिकी चैंपियनशिप जीती थी।

फीफा ने पेरू से अंडर-17 विश्व कप के मेजबानी अधिकार को वापस लिया

जिनेवा। फुटबॉल की विश्व नियामक संस्था फीफा ने पेरू से 2023 अंडर-17 विश्व कप के मेजबानी अधिकार को वापस ले लिया है। फीफा ने कहा कि देश टूर्नामेंट के लिये जरूरी बुनियादी ढांचे को पूरा करने में विफल रहा, जिसके बाद उससे 2023 अंडर-17 विश्व कप के मेजबानी अधिकार को वापस ले लिया गया। फीफा, जिसने निर्णय लेने से पहले पेरू फुटबॉल महासंघ के साथ व्यापक चर्चा की थी, ने 10 नवंबर-दिसंबर 2, 2023 को टूर्नामेंट का आयोजन करने का वादा किया था। फीफा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, फीफा परिषद का ब्यूरो अब उचित समय पर एक नया मेजबान नामित करेगा। पेरू के पास निवेश हासिल करने और टूर्नामेंट शुरू होने की तारीख से पहले जरूरी काम पूरा करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है।

स्पोर्ट्स हॉस्टल ओडिसा ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया को हराया

लखनऊ। खेलो इंडिया वुमेन्स हॉकी लीग अंडर-21 में तीन मैच खेले गये। इसमें स्पोर्ट्स हॉस्टल ओडिसा ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया को तीन-एक से हराकर बढ़त बना ली। पूल-बी में हीम हॉकी एकेडमी और सैल्यूट हॉकी एकेडमी के बीच मैच खेला गया। इसमें सातवें मिनट में ही हीम हॉकी की राजबाला ने पहला गोल दागकर टीम को बढ़त बना दी। इसके बाद टीम ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अभी सैल्यूट की टीम कुछ समझ पाती, इससे पहले आठवें मिनट में ही मेघा ने एक गोल पुनः दागकर मनोवैज्ञानिक बढ़त बना ली। 53वें मिनट तक आठ गोल दागकर हीम हॉकी एकेडमी ने आठ-एक से मैच को जीत लिया। वहीं स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और स्पोर्ट हॉस्टल ओडिसा के बीच हुए मैच में स्पोर्ट्स हॉस्टल की ममता ने दूसरे मिनट में गोल दाग दिया। इसके बाद स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की रितू ने तीसरे मिनट में गोलकर बराबरी कर ली। इसके बाद दोनों टीम के बीच कशमकश चलता रहा, लेकिन ओडिसा की टीम ने 17वें मिनट में गोलकर बढ़त बना ली। फिर 33वें मिनट में एक गोल पुनः कर ओडिसा की टीम ने तीन -एक से मैच को जीत लिया।

पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की वनडे टीम घोषित, टॉम लैथम को मिली कमान

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी आगामी श्रृंखला के लिए एकदिवसीय टीम की घोषणा कर दी है। न्यूजीलैंड की टीम अपने कई बड़े खिलाड़ियों के बिना मैदान में उतरेगी। ब्लैककैप कप्तान केन विलियमसन (जिनके घुटने में चोट लग गई थी), टिम साउदी, लॉकी फर्ग्यूसन, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर और फिन एलन वर्तमान में आईपीएल में खेल रहे हैं, जिसके कारण वह टीम का हिस्सा नहीं होंगे। अपने स्टार खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में टॉम लैथम कप्तान की भूमिका निभाएंगे।

वह डेरिल मिशेल, मैट हेनरी, जेम्स नीशम, हेनरी निकोल्स और ईश सोढ़ी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की सेवाओं पर निर्भर रहेंगे। न्यूजीलैंड ने बेन लिस्टर और कोल मैककोन्ची के रूप में दो संभावित नवोदित खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया है। मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, हमने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले सीज़न में सफेद गेंद के

दोनों प्रारूपों में कई रोमांचक मैचों का आनंद लिया है। वे एक कठिन टीम हैं, चाहे आप उन्हें कहीं भी ले जाएं।

स्टीड ने आगे कहा, इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान में सफल वनडे सीरीज ने खिलाड़ियों को सीखने के बड़े अवसर प्रदान किए और विश्व कप के साल में अधिक वनडे मैच का अनुभव शानदार है।

पांच मैचों की वनडे सीरीज 26 अप्रैल से रावलपिंडी में शुरू होगी और सात मई को कराची में खत्म होगी। इससे पहले 14 से 24 अप्रैल के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी।

न्यूजीलैंड की वनडे टीम इस प्रकार है: टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, चाड बोवेस, मैट हेनरी, बेन लिस्टर, कोल मैककोन्ची, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, हेनरी निकोल्स, रचिन रवींद्र, हेनरी शिपली, ईश सोढ़ी, ब्लेयर टिकनर, विल यंग।

धोनी ने सीएसके के गेंदबाजों को दी चेतावनी, कहा- गेंदबाजी सुधारें, नहीं तो छोड़ देंगे कप्तानी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान एमएस धोनी ने एमए चिदंबरम स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 12 रन से मिली नजदीकी जीत के बाद अपने गेंदबाजों को बड़ी चेतावनी दी। सीएसके ने लखनऊ के सामने जीत के लिए 218 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था। हालांकि केएल राहुल की टीम लक्ष्य के करीब पहुंच गई थी, लेकिन अंत में, वे 12 रनों के अंतर से लक्ष्य से चूक गए। एक चीज जो लखनऊ के पक्ष में गई, वह थी वाइड गेंदों की संख्या और नो बॉल जो सीएसके के गेंदबाजों ने फेंकी।

धोनी ने मैच के बाद कहा, एक और बात यह है कि उन्हें नो बॉल या अतिरिक्त वाइड फेंकने से बचना होगा, या फिर उन्हें एक नए कप्तान के तहत खेलना होगा। यह मेरी दूसरी चेतावनी होगी और फिर मैं बाहर हो जाऊंगा। तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे, जो इंपैक्ट प्लेयर के रुप में सीएसके के लिए खेल रहे थे, ने मैच के अपने

पहले ओवर में दो नो बॉल और तीन वाइड गेंदे फेंकी। उन्होंने 11 गेंदों का ओवर फेंका और 18 रन दिए। पूरे पावरप्ले के दौरान दीपक चाहर और बेन स्टोक्स ने भी रन लुटाए। स्टोक्स ने आईपीएल 2023 के अपने पहले ओवर में 18 रन दिए। पूरे पावरप्ले के दौरान दीपक चाहर की जमकर धुनाई हुई। उन्होंने पावरप्ले में तीन ओवर फेंके और 37 रन दिए। जब सीएसके के गेंदबाजों की धुनाई हो रही थी, तब धोनी स्टंप्स के पीछे हताश खड़े थे। मैच के बाद, उन्होंने ने कहा, तेज गेंदबाजी में हमें थोड़ा सुधार करने की जरूरत है। परिस्थितियों के अनुसार गेंदबाजी करने की जरूरत है। विपक्षी गेंदबाज क्या कर रहे हैं, इस पर नजर रखना महत्वपूर्ण है।

आईपीएल 2023 की अपनी पहली जीत हासिल करने के बाद, सीएसके शनिवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस का सामना करेगी।

ब्रावो से डेथ ओवरों की गेंदबाजी कौशल सीख रहा हूं: देशपांडे

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के मध्यम गति के गेंदबाज तुषार देशपांडे ने कहा कि डेथ ओवरों की गेंदबाजी आसान काम नहीं है और वह अब भी इस कौशल को सीख रहे हैं। लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ मैच में इस 27 वर्षीय गेंदबाज ने दो विकेट लिए लेकिन इसके साथ ही चार वाइड और तीन नोबॉल भी की जिससे उनके कप्तान महेंद्र सिंह धोनी नाखुश थे।

देशपांडे ने चेन्नई की जीत के बाद पत्रकारों से कहा,'' डेथ ओवरों में गेंदबाजी करना आसान काम नहीं है। मैं अभी इसे सीख रहा हूं।'' उन्होंने कहा, ''हमारे पास गेंदबाजी कोच के रूप में ड्वेन ब्रावो हैं जो डेथ ओवरों के बेहतरीन गेंदबाज थे। मैं उनसे सीखने की कोशिश कर रहा हूं। ब्रावो ने वर्षों तक चेन्नई के लिए जो भूमिका निभाई मेरी भूमिका भी कुछ उसी तरह से है। मैं उनकी जगह नहीं ले सकता लेकिन मैं उनसे स्लॉग ओवरों की गेंदबाजी सीख रहा हूं।'' देशपांडे ने कहा कि वह हर दिन अपने खेल में सुधार कर रहे हैं और एक गेंदबाज के रूप में निखर रहे हैं। उन्होंने कहा,'' मेरा मानना है खेलने का मौका मिलना या नहीं मिलना यह मेरे हाथ में नहीं है। लेकिन मेरे हाथ में यही है कि मैं हर दिन अपने खेल में सुधार करूं इसलिए मैं इस पर ध्यान दे रहा हूं।''

मैच का अंतिम ओवर करने वाले देशपांडे ने कहा,'' मैं वर्तमान में विश्वास करता हूं जो बीत गया वह अतीत की बात है। टी20 क्रिकेट में नोबॉल करना अपराध है लेकिन अगर मैं इसी बारे में सोचता रहता तो हो सकता था कि 10 अतिरिक्त रन दे देता और परिणाम दूसरी टीम के पक्ष में जा सकता था।''

इस बीच लखनऊ के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कहा कि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड उपमहाद्वीप विशेषकर आईपीएल में अभी अपने पांव जमा रहे हैं। वुड ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पांच विकेट लिए थे लेकिन वह नहीं चल पाए थे। मोर्कल ने कहा,'' मार्क वुड 150 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहा है। वह आक्रामक लेंथ से गेंदबाजी कर रहा है। वह हमारा स्ट्राइक गेंदबाज है। मेरे लिए यह जरूरी है कि मैं उसे बताऊं किस तरह की पिच पर हमें उससे क्या उम्मीद है। यह आईपीएल में उसका केवल तीसरा मैच है। वह अभी उपमहाद्वीप में अपने पांव जमा रहा है विशेषकर आईपीएल में जिसमें छोटी सी गलती भी आपको मुश्किल में डाल सकती है।''

रैंकिंग सिर्फ एक संख्या है, हमें कड़ी मेहनत करने की जरूरत है : डांगमेई ग्रेस

बिश्केक, किर्गिज गणराज्य। भारतीय महिला फुटबॉलर डांगमेई ग्रेस ने कहा है कि वह ज्यादा समय तक फुटबॉल से दूर नहीं रह सकती। भारतीय फॉरवर्ड ग्रेस ने एआईएफएफ से बातचीत में कहा, छुट्टी के दिनों में भी, या जब हमें किसी प्रतियोगिता के बाद या शिविर से छुट्टी मिलती है, तो मैं एक या अधिकतम दो दिन तक फुटबॉल से दूर रह सकती हूं, लेकिन उसके बाद मैं बिना इस खेल के नहीं रह सकती, मुझे कहीं न कहीं जाकर खेलना ही होता है। मैं फुटबॉल के बिना नहीं रह सकती। ग्रेस के लिए यह बहुत अच्छा है कि भारतीय महिला राष्ट्रीय टीम पिछले तीन महीनों से शिविर में है या दोस्ताना मैच खेल रही है। दूसरों को प्रशिक्षण, पुनर्प्राप्ति, मजबूती और फिर से प्रशिक्षण पर वापसी को ग्रेस अपने जीवन का सबसे सुखद हिस्सा मानती हैं। चाहे कुशल सहजता के साथ रक्षकों को पार करना हो, टीम के साथियों पर मजाक करना हो, निर्मम दक्षता के साथ शूटिंग ड्रिल मारना हो, ग्रेस अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ सब कुछ करती हैं। ग्रेस ने दो बार सेतु एफसी और गोकुलम केरल एफसी के साथ हीरो इंडियन महिला लीग जीता है। 2021 एएफसी महिला क्लब चैम्पियनशिप में उनके प्रदर्शन ने सबका ध्यान आकर्षित किया, और इसी तरह 2022 एएफसी महिला एशियाई कप में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया।

स्वितोलिना की मां बनने के बाद कोर्ट पर वापसी, पुतिनत्सेवा के हाथों करना पड़ा हार का सामना

चार्लेस्टन। दो बार की ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनलिस्ट एलिना स्वितोलिना के लिए मां बनने के बाद कोर्ट पर वापसी आसान नहीं रही और उन्हें चार्लेस्टन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में तीन सेट तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। विश्व की पूर्व नंबर तीन खिलाड़ी लेकिन अभी 1081वें नंबर पर काबिज स्वितोलिना दो घंटे, 46 मिनट तक चले मुकाबले में यूलिया पुतिनत्सेवा से 6-7 (3), 6-2, 6-4 से हार गई। स्वितोलिना ने कहा, 'मेरे लिए शारीरिक तौर पर यह आसान नहीं था। मेरा मानना है कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

नहीं किया लेकिन मैं उसके करीब पहुंच रही हूं। स्वितोलिना और उनके पति टेनिस खिलाड़ी गेल मोनफिल्स पिछले साल अक्टूबर में एक बिटिया के माता-पिता बने थे। दिन के अन्य मैचों में 2017 की अमरीकी ओपन चैंपियन सलोनी स्टीफंस ने क्वालीफायर लुईसा चिरिको को 3-6, 6-1, 6-2 से, सत्रह वर्षीय लिंडा फरुहविर्टोवा ने जिल टीचमैन को 6-2, 3-6, 6-2 से, अन्ना कालिंस्काया ने एनाहेलिना कलिनिना को 7-6 (6), 6-4 से और क्वालीफायर कैथरीन सेबोव ने लॉरेन डेविस को 4-6, 6-1, 6-2 से हराया।

शाकिब अल हसन आईपीएल 2023 से बाहर, कोलकाता प्रबंधन को फोन कर कही यह बात

मुंबई। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन कोलकाता नाइट राइडर्स फेंचाइजी के लिए आईपीएल 2023 सीजन में अनुपलब्ध रहेंगे। माना जा रहा है कि बांग्लादेश ने कुछ अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं जिसके चलते शाकिब आ नहीं पाएंगे। वहीं, फेंचाइजी के अन्य बांग्लादेशी खिलाड़ी लिटन दास इस सप्ताह के अंत में टीम में शामिल हो सकते हैं। कोलकाता ने 1.5 करोड़ रुपए के बेस प्राइस पर 36 साल के शाकिब पर बोली लगाई थी। माना जा रहा है कि शाकिब ने केकेआर प्रबंधन को फोन कर अपनी योजना बताई है। बताया जा रहा है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने दो खिलाड़ियों शाकिब अल हसन और लिटन दास को रिलीज करने से इनकार कर दिया था। यह दोनों मीरपुर में होने वाले टेस्ट में उपलब्ध रहेंगे। हालांकि फेंचाइजी को शुरुआत में लग रहा था कि वह टेस्ट के बाद आ जाएंगे लेकिन ऐसा होता दिख नहीं रहा है। बता दें कि बीसीबी ने बीसीसीआई को पहले ही सूचित किया था कि उनके खिलाड़ी आईपीएल के लिए केवल 8 अप्रैल से 1 मई तक ही उपलब्ध रहेंगे। बांग्लादेश के लिए 4 से 8 अप्रैल तक होने वाले टेस्ट में हिस्सा लेने के बाद शाकिब केवल 20 दिनों के लिए आईपीएल के लिए उपलब्ध रह सकते थे। लेकिन ऐसा लगता है कि अमरीका में रहने वाले अपने परिवार के कारण वह आईपीएल में आते दिख नहीं रहे हैं। शाकिब ने कोलकाता फेंचाइजी के लिए 4 सत्रों में 51 मैच खेले हैं। वहीं, 50 लाख बेस प्राइस वाले लिटन दास ने केकेआर प्रबंधन को सूचित किया है कि वह लीग में खेलेंगे। उनके 10 अप्रैल तक कोलकाता में पहुंचने की उम्मीद है।

रुतुराज में एक अच्छा कप्तान देखते हैं श्रीसंत, कहा- शतक बनाते देखना पसंद करूंगा

चेन्नई। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत आईपीएल 2023 के पहले दो मैचों में सीएसके के युवा बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ के लगातार अर्धशतक लगाने के बाद प्रभावित हुए। गायकवाड़ दो आईपीएल 2023 मैचों में अर्द्धशतक के साथ बल्लेबाजी चार्ट का नेतृत्व कर रहे हैं। सलामी बल्लेबाज ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 92 रन बनाने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत के लिए 31 गेंदों में 57 रन बनाए।

श्रीसंत ने गायकवाड़ को अपने अर्द्धशतक को शतक में बदलने का आग्रह किया और कहा कि वह आईपीएल के चल रहे संस्करण में युवा सीएसके बल्लेबाज का शतक देखना पसंद करेंगे। श्रीसंत ने कहा, 'रुतुराज के मामले में, वह बेहतर और बेहतर

हो रहा है, वह सब कुछ कर रहा है। वह जो परिपक्वता दिखा रहा है, मैं वास्तव में भविष्य में उसमें एक अच्छा कप्तान देखता हूं क्योंकि वह खुद को एक बल्लेबाज के रूप में बदल रहा है और जिस तरह से वह है जब वह उनके साथ बल्लेबाजी कर रहा होता है तो दूसरे बल्लेबाज से बात करना, मुझे लगता है कि यह शानदार है। मैं उसे इस आईपीएल में शतक बनाते देखना पसंद करूंगा क्योंकि वह जिस फॉर्म में है, वह बहुत अच्छा जा रहा है।

मैच की बात करें तो चेन्नई सुपर किंग्स ने रुतुराज गायकवाड़ और डेवन कॉन्वे की तूफानी शतकीय साझेदारी के बाद मोईन अली की शानदार गेंदबाजी की मदद से घरेलू मैदान चेपौक स्टेडियम पर खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 12 रन से मात दी। चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 217 रन बनाए, जिसके जवाब में लखनऊ 205 रन तक ही पहुंच सका।

2023 वनडे विश्व कप: पोंटिंग ने माना, ऑस्ट्रेलिया की सफलता के लिए ये दो खिलाड़ी महत्वपूर्ण होंगे

नई दिल्ली। दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग का मानना है कि स्टार तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और लेग स्पिनर एडम जाम्पा आगामी 2023 वनडे विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की सफलता के लिए महत्वपूर्ण होंगे और इस मेगा इवेंट के दौरान इन दोनों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। स्टार्क ने भारत में हाल ही में वनडे श्रृंखला के दौरान 8 विकेट लिए थे और पहले दो मैचों में सूर्यकुमार यादव को पहली गेंद पर आउट किया था। पोंटिंग ने आईसीसी समीक्षा के नए एपिसोड में कहा, 'यह मिचेल स्टार्क का समग्र पैकेज है। वह 6.5 फुट का है, 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करता है, वह बाएं हाथ का है और वह नई गेंद को वापस स्विंग कराता है, जैसा कि सूर्यकुमार को पता चला। जब वह लय में होता है, तो वह अच्छा

होता है। वह दुनिया में किसी के मुकाबले अच्छा है और लंबे समय से है।' उन्होंने कहा, 'कई अजीब कारणों से, लोग हमेशा से ही मिचेल स्टार्क के कुछ प्रदर्शनों के लिए पीछे बैठने और पॉटशॉट लेने के लिए तैयार रहे हैं। लेकिन अगर आप तथ्यों पर कड़ी नजर रखते हैं, विशेष रूप से सफेद गेंद वाले क्रिकेट में, उनकी संख्या है बिल्कुल उत्कृष्ट है। एडम जम्पा भारत में तीन एकदिवसीय मैचों में गेंद के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए बेहतरीन रहे जिन्होंने चार विकेट लिए और केवल 4.88 रन प्रति ओवर दिए। लेग स्पिनर अब क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग में विकेट लेने वालों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गया है जिसने 18 मैचों में 19.73 की औसत से 41 शिकार किए हैं। पोंटिंग ने कहा, 'मिचेल स्टार्क के साथ वह लंबे समय तक सभी सफेद गेंद क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख गेंदबाज रहे हैं। स्टार्क महान रहे हैं, लेकिन चार या पांच साल के से एडम जम्पा एक वास्तविक रहस्योद्घाटन कर रहे हैं।' पोंटिंग ने कहा, 'वह ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण की रीढ़ रहे हैं, जिसके कारण शायद उन्हें भारत के टेस्ट दौरे पर नहीं चुने जाने पर थोड़ा निराशा हुई। लेकिन वह एक उत्कृष्ट प्रदर्शनकर्ता हैं। एक लेग स्पिनर के लिए बहुत ही लगातार प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी बनने के लिए, यह बहुत दुर्लभ है कि टीमें उस पर हावी हो जाती हैं और उसे पकड़ लेती हैं। वह निश्चित तौर पर ऑस्ट्रेलिया के तुरुप के पत्तों में से एक होगा।'

हार के बाद कप्तान राहुल बोले - हमारे गेंदबाज सटीक प्रदर्शन नहीं कर सके

चेन्नई। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के हाथों 12 रन से पराजय झेलने के बाद लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल ने कहा कि गेंदबाज सटीक प्रदर्शन नहीं कर सके, जिसका खामियाजा उनकी टीम को भुगतना पड़ा । चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 217 रन बनाए थे, जिसके जवाब में लखनऊ ने सात विकेट पर 205 रन ही बनाए। राहुल ने मैच के बाद कहा , ''टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनने के बाद शुरूआत आदर्श नहीं रही । गेंदबाजों को पिच से मदद मिल रही थी लेकिन वे सही दिशा में गेंदबाजी नहीं कर सके । विरोधी टीम में जब बेहतरीन बल्लेबाज हों तो इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है । कोंवे और रुतुराज ने बेहतरीन बल्लेबाजी की लेकिन हमें इस हार से सबक लेकर आगे बढ़ना होगा। छह ओवर में 70 रन देना हमें काफी महंगा पड़ा । मैं हार का कोई एक कारण नहीं बता सकता लेकिन मैच में हमने मौके नहीं भुनाये और मैच हमारे हाथ से फिसल गया ।' चेन्नई सुपर किंग्स ने रुतुराज गायकवाड़ और डेवन कॉनवे की तूफानी शतकीय साझेदारी के बाद मोईन अली की शानदार गेंदबाजी की मदद से घरेलू

मैदान चेपौक स्टेडियम पर खेले गये इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 12 रन से मात दी। चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 217 रन बनाये, जिसके जवाब में लखनऊ 205 रन तक ही पहुंच सका।

रुतुराज (31 गेंद, तीन चौके, चार छक्के, 57 रन) और कॉनवे (29 गेंद, पांच चौके, दो छक्के, 47 रन) ने पहले विकेट के लिये 110 रन की साझेदारी करके टीम के लिये मजबूत मंच तैयार किया। रवि बिश्नोई और मार्क वुड ने तीन-तीन विकेट लेकर लखनऊ की वापसी करवाई, लेकिन वे चेन्नई को विशाल स्कोर खड़ा करने से नहीं रोक सके।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज काइल मेयर्स लखनऊ को जीत की ओर ले जा रहे थे, लेकिन मोईन ने उन्हें आउट करके मैच का रुख पलट दिया। मेयर्स ने 22 गेंद पर आठ चौकों और दो छक्कों के साथ 53 रन बनाये और उनका विकेट गिरते ही लखनऊ की पारी का पतन शुरू हो गया। निकोलस पूरन (18 गेंद, 32 रन) ने मध्यक्रम में जुझारू पारी खेली लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिला।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 05 अप्रैल 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

धामी ने वित्तमंत्री से की परियोजनाओं पर चर्चा

मुख्यमंत्री ने वित्त मंत्री से सौंग बांध पेयजल परियोजना के लिए 1774 करोड़ की धनराशि का पूंजीगत व्यय को विशेष सहायता के अन्तर्गत उपलब्ध कराने का अनुरोध किया

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून/नई दिल्ली

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री से सौंग बांध पेयजल परियोजना के लिए 1774 करोड़ की धनराशि का वित्त पोषण भारत सरकार के पूंजीगत व्यय को विशेष सहायता के अन्तर्गत उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से देहरादून की पेयजल समस्या का समाधान हो जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देहरादून नगर और इसके उपनगरीय क्षेत्रों में पेयजल की व्यवस्था मुख्य रूप से नलकूप के द्वारा की जा रही है, जिसके फलस्वरूप भूजल स्तर में लगातार गिरावट हो रही है। देहरादून की बढ़ती हुई आबादी के कारण पेयजल की मांग निरन्तर तेजी से बढ़ती जा रही है। इसके कारण वर्तमान पेयजल आपूर्ति व्यवस्था भविष्य की पेयजल मांग को पूर्ण करने में सक्षम नहीं होगी। इस समस्या के दृष्टिगत और भविष्य में सतत पेयजल की सुविधा प्रदान करने को गंगा नदी की सहायक नदी सौंग नदी पर 'सौंग बांध पेयजल परियोजना' प्रस्तावित है। इस परियोजना की कुल लागत रू0 2021 करोड़ है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि परियोजना के निर्माण से 150 एम.एल.डी. पेयजल 'गुरुत्व' के माध्यम से देहरादून नगर व इसके उपनगरीय क्षेत्रों के लगभग 10 लाख आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा। परियोजना के निर्माण उपरान्त पेयजल व्यवस्था की नलकूपों पर निर्भरता लगभग समाप्त हो जाएगी, जिससे भूजल दोहन में भारी कमी आएगी। इसके फलस्वरूप भू जल स्तर में बढोतरी होगी।

ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी आयेगी। भविष्य में नए नलकूपों और उन पर होने वाले संचालन व रखरखाव सम्बन्धी व्यय में भी भारी कमी आएगी।

मांग

▪ देहरादून की बढ़ती हुई आबादी के कारण पेयजल की मांग निरन्तर तेजी से बढ़ती जा रही है

'टनकपुर-देहरादून के मध्य चलें जनशताब्दी'

टनकपुर-देहरादून के मध्य एक जनशताब्दी रेल सेवा संचालित करना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के जनपद नैनीताल के रामनगर क्षेत्रान्तर्गत स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल जिम कार्बेट नेशनल पार्क में देश-विदेश से पर्यटकों का निरन्तर आवागमन होता है। इसलिए दिल्ली-रामनगर शताब्दी एक्सप्रेस रेल सेवा संचालित किया जाना अति आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून से नई दिल्ली तक रेल की यात्रा करने के लिए वर्तमान में हरिद्वार होकर जाना पड़ता है। हरिद्वार-देहरादून रेल लाइन सिंगल लेन है।

'देहरादून-सहारनपुर रेल मार्ग प्रारंभ हो'

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून/नई दिल्ली

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री से टनकपुर-देहरादून के मध्य एक जनशताब्दी रेल सेवा और दिल्ली-रामनगर के मध्य शताब्दी एक्सप्रेस रेल सेवा संचालित किए जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रेल मंत्री से देहरादून से सहारनपुर को मोहंड होते हुए रेलवे से जोड़ने के लिए टनल आधारित रेल लाइन परियोजना ओर ऋषिकेश-उत्तरकाशी रेल लाइन परियोजना का शीघ्र परीक्षण कराकर इसके निर्माण की स्वीकृति प्रदान किए जाने का भी अनुरोध किया। उन्होंने रेल मंत्री से हरिद्वार से वाराणसी वंदे भारत रेल बजट को प्रारंभ किए जाने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री धामी ने पूर्व में मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से किच्छा-खटीमा नई रेल लाइन परियोजना की सम्पूर्ण लागत भारत सरकार द्वारा वहन किए जाने का आग्रह किया। उन्होंने अनुरोध किया कि रामनगर-हरिद्वार - देहरादून सीधी रेल सेवा संचालित की जाए। पूर्णागिरी मेले की अवशेष आयोजन अवधि के लिए देश के विभिन्न स्थानों मुख्यत: नई दिल्ली, मथुरा और लखनऊ आदि से टनकपुर के लिए पर्याप्त संख्या में रेल सेवा का भी संचालन प्रारम्भ किया जाए।

न्यूज फ्लैश

आकांक्षा दुबे की मौत मामले की सीबीआई से जांच की मांग

टीम एक्शन इंडिया/वाराणसी

भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की मौत के मामले में मंगलवार को अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधि मंडल एडीएम सिटी के कार्यालय पहुंचा। अभिनेत्री की मां मधु दुबे के अधिवक्ता शशांक शेखर त्रिपाठी ने एडीएम सिटी की अनुपस्थिति में मुख्यमंत्री को सम्बोधित 14 सूत्री मांगों का ज्ञापन एडीएम सिटी के कार्यालय में सौंपा। मांगों में पूरे घटना की जांच सीबीसीआईडी या सीबीआई से कराने, 21 मार्च से लेकर 26 मार्च 2023 तक की सभी सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने आदि है। अधिवक्ता शशांक शेखर ने बताया कि आकांक्षा दुबे की मौत मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई है। इस मामले में प्रथम दृष्टया सारनाथ पुलिस की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है। मृतका आकांक्षा दुबे के चाचा द्वारा जो तहरीर थाना सारनाथ में दी गई थी। उस पर एफआईआर न लिखकर थाने में दरोगा ने बोलकर तहरीर लिखवाई। उनके चाचा द्वारा बार-बार हत्या किए जाने की बात कहे जाने पर भी आत्महत्या में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया। अभिनेत्री की मां मधु दुबे पहले दिन से ही कह रही हैं कि उनकी बेटी की हत्या हुई है। उधर, आकांक्षा दुबे की पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी आ गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार आकांक्षा के शरीर में सिर्फ गले पर फंदे की इंजरी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार शरीर पर कहीं चोट के निशान नहीं हैं। इसको लेकर भी सवाल उठने लगा है। भोजपुरी फिल्मों के सुपर स्टार पवन सिंह सोमवार की देर रात भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे के पैतृक गांव बरदहा पहुंचे। गांव में पवन सिंह ने अभिनेत्री की मां मधु दुबे, भाई और पिता के साथ परिजनों को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि न्याय की लड़ाई में पूरा साथ देंगे। उन्होंने कहा कि मामले की पुलिस जांच कर रही है और हमें कानून पर पूरा भरोसा है। पीड़ित परिवार को न्याय जरूर मिलेगा।

गेहूं की फसल में लगाई आग

राजगढ़: राजगढ़ कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम तुलसीपुरा में रहने वाले 43 वर्षीय युवक से राजस्थान निवासी बाप-बेटे सहित चार लोगों के द्वारा झगड़ा प्रथा के तहत रुपयों की मांग की गई। रुपये नहीं देने पर उन्होंने खेत में रखी गेहूं की फसल में आग लगाकर नुकसान कर दिया। पुलिस ने मंगलवार को आरोपितों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाप्रभारी उमेश यादव के अनुसार ग्राम तुलसीपुरा निवासी गजराज (43) पुत्र जयसिंह गुर्जर ने बताया कि ग्राम खास्या थाना मनोहरथाना झालावाड़ राजस्थान निवासी शिवनारायण पुत्र भूरालाल गुर्जर, उसका बेटा ओमप्रकाश, दयाराम पुत्र अमरसिंह और सुमेर पुत्र रामचरण गुर्जर झगड़ा प्रथा के तहत तीस लाख रुपए की मांग कर रहे हैं।

कोझिकोड ट्रेन अग्निकांड में शाहरुख सैफी निर्दोष

बुलंदशहर। केरल के कोझिकोड ट्रेन अग्निकांड के मामले में शक के तहत उठाए गए शाहरुख सैफी से पूछताछ के बाद एटीएस टीम ने छोड़ दिया है। वह इस मामले में निर्दोष पाया गया है। वहीं, टीम के बर्ताव से परिजनों ने एटीएस और पुलिस की सराहना की है। शाहरुख ने बताया कि एटीएस की टीम उसे लेकर अपने साथ मेरठ चली गई थी। एक स्थान पर रखकर एटीएस ने करीब डेढ़ घंटे तक मामूली सवाल जवाब किए। वह बुलंदशहर, गाजियाबाद और दिल्ली में कारपेंटर का काम करता है।

पं. धीरेन्द्र शास्त्री के खिलाफ शिकायत दर्ज

टीम एक्शन इंडिया/जबलपुर

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के साईं बाबा पर दिए गए बयान को लेकर मुंबई पुलिस में शिकायत की गई है। शिवसेना (उद्धव गुट) युवा सेना के नेता और शिर्डी साईं संस्थान के पूर्व ट्रस्टी राहुल कनाल ने सोमवार रात बांद्रा पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत देकर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया है। साथ ही उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। जबलपुर में भाजपा विधायक सुशील तिवारी ने 25 से 31 मार्च तक पंडित धीरेन्द्र शास्त्री से कथा कराई थी। कथा के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने प्रबुद्धजनों से चर्चा के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा था कि हमारे सर्वोच्च गुरु शंकराचार्य ने कभी भी साईं बाबा को देवता का स्थान नहीं दिया। शंकराचार्य हिंदू धर्म के प्रधानमंत्री हैं, इसलिए हर सनातनी को उनकी बात मानना बहुत जरूरी है। कोई भी संत चाहे हमारे धर्म का हो, दूसरे पंथ का या फिर तुलसीदास और सूरदास ही क्यों नहीं हों, ये लोग महान संत हो सकते हैं, युग पुरुष हो सकते हैं, लेकिन कोई भी भगवान नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा था कि लोगों की अपनी निजी आस्थाएं हैं। साईं बाबा संत हो सकते हैं, फकीर हो सकते हैं, भगवान नहीं हो सकते। गीदड़ की खाल पहनकर कोई शेर नहीं बन सकता।

भावनाएं आहत हुई

▪ लोगों की अपनी निजी आस्थाएं हैं। साईं बाबा संत हो सकते हैं, फकीर हो सकते हैं, भगवान नहीं हो सकते

कौशांबी पुलिस की चूक से बच निकले असद व गुड्डू

टीम एक्शन इंडिया/कौशांबी

प्रयागराज उमेश पाल व 2 पुलिसकर्मियों की निर्मम हत्याकांड को अंजाम देने के बाद असद और गुड्डू मुस्लिम कौशांबी होते हुए भागने के संकेत मिले हैं। माना जा रहा है कि वारदात के 4 दिन बाद 28 फरवरी को अतीक का बेटा असद व गुड्डू मुस्लिम अतीक के बहनोई एखलाख की कार से मेरठ के लिए निकले, लेकिन उनकी कार संदीपन घाट थाना क्षेत्र के बसेड़ी गाव के पास खराब हो गयी। जिसे शूटर बसेड़ी निवासी मोबिन उर्फ मुन्ना अंसारी की देख-रेख मे छोड़कर रोडवेज बस में बैठ कर निकल गए। शूटर्स के निकल जाने के बाद पुलिस को शाम बसेड़ी के ग्रामीणों ने लावारिस हालत में मिली कार की जानकारी दी। संदीपन घाट थाना के हर्रायपुर चौकी प्रभारी केके यादव तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने कार्यवाही करते हुए कार को अपने कब्जे के लेकर उसकी देखरेख करने वाले मोबिन उर्फ मुन्ना अंसारी व एक अन्य अज्ञात को पकड़ लिया। पुलिस सूत्र के मुताबिक 06 मार्च तक दारोगा केके यादव ने गाड़ी की जानकारी न तो थाना प्रभारी राकेश राय को दी और न ही पकड़े गए संदिग्ध से कार के संबंध मे पुख्ता जानकारी हासिल की। बताया जा रहा है कि दारोगा केके यादव ने 06 मार्च को संदीपन घाट थाना प्रभारी राकेश राय को कार मिलने की जानकारी देते हुए उसे लावारिस में दाखिल (लिखा-पढ़ी) कर पकड़े गए आरोपियों से मोटी रकम लेकर उन्हें छोड़ दिया।

लापरवाही

▪ निर्मम हत्याकांड को अंजाम देने के बाद असद और गुड्डू मुस्लिम कौशांबी होते हुए भागने के संकेत मिले

उप्र में सात आईपीएस का तबादला

लखनऊ: उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार की देर रात को सात आईपीएस अधिकारियों का स्थानांतरण किया है। इनमें पांच आईपीएस को कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शासन ने साइबर क्राइम लखनऊ में तैनात एसपी शिवहरि मीना को कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं बनाया गया है। उनके अलावा विशेष अनुसंधान दल में तैनात सुभाष चंद्र शाक्य को कारागार विभाग में एसपी के पद पर नवीन तैनाती मिली है। हिमांशु कुमार को 23वीं वाहिनी पीएसी से हटाकर कारागार विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

हरीश रावत ने वन विभाग के प्रमुख पद पर सरकार को घेरा

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून

वन विभाग में वन प्रमुख का पद शासन के लिए समस्या का विषय बना हुआ है। वरिष्ठ वन सेवा के अधिकारी राजीव भरतरी को उच्च न्यायालय ने चार्ज दिलाने का निर्देश दिया था लेकिन जब वे वहां पहुंचे तो महावीर के अवकाश के कारण कार्यालय में ताला लगा मिला। अब इसी मामले को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व सीएम हरीश रावत ने सरकार को घेरा है। सीनियर आईएफएस अफसर राजीव भरतरी को ऑफिस की चाबी न मिलने के मामले में राज्य सरकार और ब्यूरोक्रेसी पर प्रश्न उठाए हैं।

'वीर सावरकर मुद्दे पर माफी मांगें राहुल'

टीम एक्शन इंडिया/मुंबई

भारतीय जनता पार्टी ने वीर सावरकर मुद्दे पर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की है। साथ ही शिवसेना (ठाकरे गुट) पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे को घेरते हुए सवाल उठाया है कि अगर हिंदू साथ आ रहे हैं, तो इसका विरोध क्यों? आपने हिन्दू धर्म छोड़ दिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने हिंदू रक्षा की भूमिका निभाई है। आपके पेट में दर्द क्यों होता है? भाजपा के मुंबई अध्यक्ष आशीष शेलार ने कहा कि भाजपा को खत्म करने के आपके औरंगजेब के सपने पूरे नहीं होंगे।

भारत में कुल 2,334 राजनीतिक दल हैं और महाराष्ट्र में कुल 145 पंजीकृत दल हैं, इनमें 2 राज्य स्तरीय दल (एमएनएस और शिवसेना) हैं। इन सभी दलों के अलग-अलग राजनीतिक कार्यक्रम और नीतियां हैं, लेकिन महाराष्ट्र में उद्धव बालासाहेब ठाकरे समूह के पास कोई कार्यक्रम नहीं है, कोई नीति नहीं है, कोई विचार नहीं है।

तैयारी

प्रदेश भर में 21 ट्रेनिंग सेंटर बनाए जाएंगे, कुल 83 हजार लोगों को ट्रेनिंग दी जाएगी

गांवों को स्वच्छ बनाने के लिए ग्राम प्रधानों को मिलेगी ट्रेनिंग

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के गांवों को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए योगी सरकार अब ग्राम प्रधानों, खंड प्रेरक, पंचायत सहायक और सफाई कर्मचारियों को ट्रेनिंग देगी। इसके लिए प्रदेश भर में 21 ट्रेनिंग सेंटर बनाए जाएंगे। वहां अलग-अलग सत्रों में कुल 83 हजार लोगों को ट्रेनिंग दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के सभी गांवों में ठोस और तरल कचरे के प्रबंधन को लेकर उचित कदम उठाने और इसके लिए ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देने की तैयारी है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के द्वितीय चरण के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्रदेश के 25 हजार से ज्यादा ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है। हाल ही में ट्रेनिंग देने वाले मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण का कार्य पूरा किया गया है।

43,242 राजस्व गांवों के लिए लक्ष्य निर्धारित: अपर मुख्य सचिव पंचायती राज मनोज कुमार के अनुसार स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के दूसरे चरण के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 25 हजार 145 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है। इसके तहत 43 हजार 242 राजस्व गांवों को लेकर लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन गांवों में प्रथम चरण में प्राप्त उपलब्धियों को आगे भी बनाये रखने के साथ ही ठोस एवं तरल कचरे के प्रबन्धन के लिए विभिन्न अभियान चलाए जाएंगे।

इसी क्रम में ग्राम प्रधान, खण्ड प्रेरक एवं पंचायत सहायक आदि लगभग 83 हजर लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।वह वास्तविक रूप से गांवों में काम करेंगें। इन 83 हजार लोगों का प्रशिक्षण लखनऊ स्थित प्रिट कार्यालय के अलावा 20 जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर (डीपीआरसी) पर कराया जाना है।